जबलपुर
रविवार, 28 जून 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -14
वर्ष : 21, अंक : 57
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 37
न्यून. 26

# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पीएम मोदी 'जोनाथन' को पत्ती खिलाते हुए

## दुनिया का सबसे पुराना जीवित स्थलीय जीव

## 194 साल के कछुए 'जोनाथन' को प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाई पत्ती

**पीएम ने बॉटनिकल गार्डन में एक पेड़ भी लगाया**

एजेंसी ▶▶ सेशल्स

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा के दौरान कई अहम कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, लेकिन इनमें सबसे खास मुलाकात दुनिया के सबसे उम्रदराज़ जीवित स्थलीय जीव 'जोनाथन' से हुई। करीब 194 साल का यह विशाल अल्ब्राड्रा जाइंट कछुआ अपने लंबे जीवन की वजह से पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है। इसका जन्म 1832 के आसपास हुआ था। उम्र अधिक होने के कारण उसकी आंखों की रोशनी कम हो चुकी है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

## 11 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक, चंपत व मिश्रा के इस्तीफों पर होगा फैसला

# राम मंदिर में हो सकती है तिरुपति बालाजी टैंपल की तर्ज पर अब सीईओ की नियुक्ति

- ट्रस्ट का दावा- भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित
- नृपेंद्र मिश्रा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ बनाया जा सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि ने कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा का त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा। ट्रस्ट ने बताया कि भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित हैं। 11 जुलाई को ट्रस्ट की अगली बैठक होगी, इसमें राम मंदिर ट्रस्ट का नया महासचिव तय होता सकता है। अनिल मिश्रा की जगह पर कोई अन्य सदस्य लाया जा सकता है। बैठक में राम मंदिर परिसर में सीईओ की भी नियुक्ति हो सकती है।

चंपत राय

नृपेंद्र मिश्रा

फाइल फोटो

### ट्रस्ट के सदस्य बोले

**दोषियों को बख्शा न जाए**

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा गंभीर अपराध नहीं होना चाहिए था। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों को कानून के मुताबिक उचित सजा मिलनी चाहिए। उडुपी के अष्ट (आठ) मठों में से एक पेजावर अधोक्षज मठ के प्रमुख स्वामी ने कहा कि पूरे मामले के तथ्य सामने आने चाहिए।

### खास बातें

- कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि ने राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय के इस्तीफे की पुष्टि की।
- ट्रस्ट ने बताया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा से त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा।
- ट्रस्ट ने बताया कि भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित हैं।
- 11 जुलाई को होगी ट्रस्ट की अगली बैठक होगी, इसमें राम मंदिर ट्रस्ट का नया महासचिव तय होता सकता है।
- डॉक्टर अनिल मिश्रा की जगह पर कोई अन्य सदस्य लाया जा सकता है।
- बैठक में राम मंदिर परिसर में सीईओ की भी नियुक्ति हो सकती है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### बहन की डोली उठना थी,भाई की अर्थी उठी

**हरदा।** जिले के सिराली क्षेत्र स्थित जामन्याकला गांव में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहां बड़ी बहन की शादी की तैयारियों में जुटे 19 वर्षीय भाई लक्ष्मण कोरकू की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। जिस घर में बड़झिरी गांव से बारात आनी थी और मंगल गीत गाए जा रहे थे, वहां भाई की अर्थी उठने से पूरे इलाके में मातम पसर गया।

### डूबे 3 दोस्त, तीनों की मौत 3 घंटे में मिले शव

**जबलपुर।** मुहर्रम की छुट्टी पर नर्मदा में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर 2 बजे हुआ। एक दोस्त सोहिल गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी दो दोस्त साहिल और साबिर ने हाथ बढ़ाया, लेकिन वह उन्हें भी पकड़कर पानी में खींच ले गया। तीनों की मौत हो गई।

### देश की पहली ड्राइवर-मालिकाना भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च

**अहमदाबाद।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को लॉन्च किया। सहकारी ढांचे (को-ऑपरेटिव मॉडल) पर आधारित यह देश का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे ड्राइवर्स के पास होगा। पहले चरण में इस सेवा को गुजरात के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है।

## भोपाल के रवींद्र भवन में सशक्त उद्यमी-समृद्ध मप्र समिट का आयोजन, सीएम ने की बड़ी घोषणाएं

# अगला साल युवा वर्ष के रूप में मनेगा जनवरी में भोपाल में होगी जीआईसी

सीएम ने कहा कि वर्ष 2025-26 में मप्र के 20 उत्पादों को जीआई टैग मिले हैं। राज्य सरकार सभी की कठिनाई को समझते हुए विकास की धारा में सरलता, सुचिता और अपने पारदर्शी निर्णयों के बूते आगे बढ़ रही है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि साल 2027 को राज्य सरकार युवा वर्ष के रूप में मनाएगी। दूसरी ओर ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) भी जनवरी में भोपाल में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 760 से अधिक ईकाइयों को प्रोत्सान राशि दी। उन्होंने प्रदेश के 137 स्टार्टअप्स को 1.5 करोड़ की सहायता राशि भी दी। मप्र निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत वृहद उद्योगों को 1274 करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई। उद्यमियों को उद्योग स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र और लोन स्वीकृति पत्र भी दिए गए।

**मुख्यमंत्री ने 760 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन राशि दी**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सशक्त उद्यमी-समृद्ध मप्र समिट में बोलते हुए

**सरकार ने उद्योगों को 1,274 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की एमओयू भी हुए साइन**

**प्रदेश के 137 स्टार्टअप्स को 1.5 करोड़ की सहायता राशि भी दी**

### देवास, पांढुर्णा, टीकमगढ़, उज्जैन को एमएसएमई भवन की सौगात

मुख्यमंत्री ने देवास, पांढुर्णा, टीकमगढ़, उज्जैन को एमएसएमई भवन की सौगात भी दी। मंदसौर में मुल्तानपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 288 भू-खंड, मंडला में 165 भू-खंड, जबलपुर में 61 भू-खंड, बैतूल में 50 भू-खंड, कटनी के नवीन औद्योगिक क्षेत्र में 68 भू-खंड, नीमच के सरगना औद्योगिक क्षेत्र में 127 भू-खंड, खरगोन के डाबरिया औद्योगिक क्षेत्र में 103 भू-खंड दिए गए। प्ले एंड प्लग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एमएसएमई विभाग के बीच स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए एमओयू भी साइन किए गए। समिट में मुख्यमंत्री ने कटनी और मंडला के उद्यमियों से संवाद भी किया।

### एग्रीकल्चर सेक्टर को आधुनिक तरीके से नई ऊंचाई पर लेकर जाएंगे

डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित मप्र का निर्माण करना भी जरूरी है। राज्य सरकार ने आगामी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) को भोपाल में आयोजित करने का निर्णय लिया है। साथ ही वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया है। इस पूरे वर्ष में एग्रीकल्चर सेक्टर को आधुनिक तरीके से नई ऊंचाई पर लेकर जाएंगे।

### उद्योग विकास में मप्र ने हासिल की नई ऊंचाइयां

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मप्र ने उद्योग विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल कीं हैं। जब नेतृत्व में दृष्टि हो तो एमएमएमई विभाग का बजट 1100 करोड़ से बढ़कर 2100 करोड़ हो जाता है। राज्य सरकार ने विभाग का बजट बढ़ाकर सीधे तौर पर उद्यमियों को लाभ दिया है।

## ठाणे से पेपर लीक, कई हिरासत में

# महाराष्ट्र में एग्जाम से एक दिन पहले लीक हुआ 'टीईटी' पेपर

**शिक्षा विभाग ने रद्द की परीक्षा**

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फाइल फोटो

महाराष्ट्र में 28 जून, 2026 को विभिन्न एग्जाम सेंटर में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की परीक्षा आयोजित कराई जानी थी। लेकिन, परीक्षा से एक दिन पहले ही ठाणे से टीईटी का पेपर लीक हो गया है। शिक्षा विभाग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को अब रद कर दिया गया है। ठाणे में पुलिस ने पेपर को बरामद किया। साथ ही इस मामले में कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। शिक्षा विभाग जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा।

## करीब 16 महीने पहले की गई थी जब्ती

# एमडी ड्रग्स निकला यूरिया बर्खास्त 3 पुलिसकर्मी बरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

**दो आईपीएस समेत 19 पुलिसकर्मियों पर साजिश का आरोप**

इंदौर पुलिस ने जिस 198 ग्राम पदार्थ को करोड़ों रुपए की एमडी ड्रग्स बताकर बड़ी कार्रवाई का दावा किया था, वह जांच में यूरिया निकला। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मी समेत तीनों आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। अब बर्खास्त पुलिसकर्मी ने दो आईपीएस अधिकारियों सहित 19 पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया है। करीब 16 महीने पहले इंदौर पुलिस ने विजय पाटीदार और शाहनवाज शेख को गिरफ्तार कर उनके पास से 198 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलने का दावा किया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिसकर्मी लखन गुप्ता का नाम लिया, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में विभाग ने उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया। भोपाल और हैदराबाद की लैब में कराई जांच जांच के दौरान जब्त पदार्थ के सैंपल भोपाल की फॉरेंसिक लैब भेजे गए।

लखन गुप्ता

## पति को लड़कों ने भेजा था वीडियो

# पत्नी के डांस से नाराज था, दो बेटों समेत काटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

किशनपुर गांव में शुक्रवार देर रात 35 वर्षीय बलराम सिंह कुशवाहा ने पत्नी और दो बेटों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। फिर शिकारपुर रेलवे फाटक पहुंचा और ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। बसैया थाना प्रभारी विवेक तोमर ने बताया कि वारदात घर के आंगन में हुई। बलराम बेंगलुरू में मार्बल घिसाई का काम करता था।

■ हत्या के बाद खुद ट्रेन से कट गया

## जांबाज एसआई ने आरोपी को दबोचा

# बैंक ऑफ इंडिया में धमाका कर लूट की कोशिश नाकाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

परासिया रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में दिनदहाड़े लूट की एक बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे स्थानीय लोगों द्वारा बैंक का शटर कटा होने की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और बैंक प्रबंधन तुरंत मौके पर पहुंचे। जब पुलिस दो शटर पार कर पहली मंजिल पर स्थित बैंक के अंदर लगी।

■ बैंक में कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था

## मंदसौर में मर्डर का बदला मर्डर

# बेटे की रंजिश में पिता को दौड़ा-दौड़ाकर मार डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदसौर

जिले की अभिनंदन कॉलोनी में सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां दो महीने पहले हुए एक मर्डर का बदला लेने के लिए छह हमलावरों ने आरोपी के पिता की तड़पा-तड़पाकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 42 वर्षीय रवि माली के रूप में हुई है। शनिवार सुबह जब रवि रोज की तरह अपने खेत पर फूल तोड़ने गए थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन पर चाकू और लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

## एपीडा की पहल से रीवा सुंदरजा आम ने वैश्विक बाजार में रखे कदम

### 150 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया

# 1 मीट्रिक टन आमों की पहली खेप यूएई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुंदरजा आम

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने मध्य प्रदेश के जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पहले वाणिज्यिक निर्यात में सहायता प्रदान की है। यह उपलब्धि वैश्विक बाजार में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पिछले कई महीनों से एपीडा ने मध्य प्रदेश सरकार के बागवानी विभाग, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पैकिंग हाउस संचालकों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ मिलकर रीवा सुंदरजा आम के निर्यात की संभावनाओं पर काम किया।

### रीवा के किसान ने की शुरुआत

रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक खेप में एक मीट्रिक टन आम शामिल थे, जिसे 26 जून 2026 को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया। निर्यात की गई खेप के आम रीवा जिले के गोविंदगढ़ निवासी प्रगतिशील किसान सोनू गुप्ता और ओव्धा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए। स्थानीय बाजार में सुंदरजा आम का भाव लगभग 100 से 110 रुपए प्रति किलोग्राम है।

## गंभीर हालत में भोपाल रेफर, फर्जीवाड़े में नाम सामने आया था

## छर्रे शरीर के ऊपरी हिस्से में लगे

# विदिशा गोल्ड लोन फर्जीवाड़ा बैंककर्मी ने खुद को गोली मारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ विदिशा

विदिशा में करोड़ों रुपए के कथित एसबीआई गोल्ड लोन फर्जीवाड़े की जांच के बीच एक बैंककर्मी ने आत्महत्या का प्रयास किया। जांच के दायरे में आए बैंककर्मी मनोज सोनी ने शनिवार को अपने खामखेड़ा स्थित फार्म हाउस पर कथित तौर पर छर्रे वाली बंदूक से खुद को गोली मार ली।

गंभीर हालत में उन्हें पहले जिला अस्पताल और बाद में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर कर दिया गया। मनोज सोनी का नाम एसबीआई गोल्ड लोन फर्जीवाड़े की जांच के दौरान सामने आया था। घटना के समय वह अपने फार्म हाउस पर मौजूद थे। चिकित्सकों के मुताबिक छर्रे उनके शरीर के ऊपरी हिस्से में लगे हैं। प्रारंभिक जानकारी में एक छर्रा हृदय के समीप लगने की बात सामने आई है, जिसके चलते उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। बेहतर उपचार के लिए उन्हें भोपाल रेफर किया गया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही जांच एजेंसी ने गोल्ड लोन फर्जीवाड़े की जांच के सिलसिले में मनोज सोनी के परिवार से जुड़े एमपी ज्वैलर्स प्रतिष्ठान पर कार्रवाई की थी।

मनोज सोनी घायल अवस्था में

## 40 जिलों में बारिश का अलर्ट, प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश

### चार दिन तपेंगे 20 से ज्यादा शहर

# मौसम के दो रंग, सीधी-उमरिया में लू रतलाम-छिंदवाड़ा में झमाझम बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

तीन दिन पहले मानसून की एंट्री के बाद भी पहली बार प्रदेश में मौसम के दो रंग देखने मिल रहे हैं। शनिवार को सीधी और उमरिया में लू चलने से जनजीवन प्रभावित रहा, वहीं रतलाम, छिंदवाड़ा और धार में झमाझम बारिश से जिले तरबतर हो गए।

राजधानी में भी शाम को बौछारें पड़ने से थोड़ी राहत मिली है। शनिवार को रतलाम में 40, छिंदवाड़ा में 36 और धार में 28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

### उमरिया का पारा 42 डिग्री

वहीं, दूसरी तरफ उमरिया में पारा सबसे अधिक 42.0 डिग्री रहा, जो सामान्य से 7.6 डिग्री ज्यादा है। इसके अलावा छतरपुर के खजुराहो में 41.6 डिग्री, ग्वालियर में 41.5 डिग्री और सीधी में तापमान 40.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर और दमोह में भी लू जैसे हालात रहे। प्रदेश में मानसून आने के बाद वह अटक गया है, जिसकी वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश नहीं हो पा रही।

### आकाशीय बिजली का कहर 2 हादसों में दो युवकों की मौत

सीहोर में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो अलग-अलग गांवों में बड़ा हादसा हो गया। इन दर्दनाक घटनाओं में दो युवकों की जान चली गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। पहला हादसा लसूडिया बोडी गांव का है, जहां 26 वर्षीय भरत जांगड़ा और दौलत सिंह खेत में फसलों पर दवा का छिड़काव कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल में इलाज के दौरान भरत की मौत हो गई, जबकि दौलत सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। दूसरी घटना इछावर थाना क्षेत्र के सिराडी गांव की है। यहां 18 वर्षीय पवन अपने घर के आंगन में मां के साथ बैठकर मोबाइल चला रहा था, तभी अचानक उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। गंभीर रूप से झुलसने के कारण पवन की मौके पर ही मौत हो गई।

एजेंसी ▶▶ देहरादून

# प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच आखिरकार बनी बात, दोनों पक्षों में शांति-संवाद से समाधान पर सहमति की संभावना

## उत्तराखंड प्रशासन और सिख समुदाय के बीच हुई वार्ता, निहंगों को किया रिहा

## निहंगों ने कानून को हाथ में नहीं लेने का दिया आश्वासन

कर्णप्रयाग विवाद सुलह के करीब पहुंचा

कर्णप्रयाग प्रकरण के बाद उत्तराखंड में तनावपूर्ण माहौल के बीच शुक्रवार को उत्तराखंड प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में महत्वपूर्ण वार्ता हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने शांति बनाए रखने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति जताई। निहंगों ने प्रशासन के सामने मुकदमा वापस लेने, निहंग सिखों से मिलने समेत 4मांगें रखीं। इन पर प्रशासन ने दो दिन का समय मांगते हुए उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई है। निहंग दो दिनों तक पांवटा साहिब में ही रहेंगे।

निहंगों का एक जत्था

शुक्रवार को भी उत्तराखंड-हिमाचल सीमा पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।हरिद्वार के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, अल्मोड़ा के एसएसपी हरबंस सिंह सहित अधिकारी गुरुद्वारा पांवटा साहिब पहुंचे। डीएसपी पांवटा साहिब मानवेंद्र सिंह और थाना प्रभारी कुलवंत सिंह भी मौजूद रहे। दोनों के बीच विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई।अधिकारी लौट गए, जबकि पंजाब का निहंगों का जत्था

### प्रशासन ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया

जगदीप सिंह अकाली, निहंग प्रतिनिधि ने कहा कि प्रशासन संग सकारात्मक चर्चा हुई है और प्रशासन ने उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। प्रशासन ने 2 दिन का समय मांगा है यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती और गिरफ्तार निहंग सिंहों को रिहा नहीं किया जाता, तो आगे की रणनीति पर अमल किया जाएगा।

### ये हैं निहंगों की मांगें

- जेल में बंद निहंगों से मिलने दिया जाए।
- अस्पताल में भर्ती घायल निहंग से भी मुलाकात हो।
- निहंगों को जमानत दिलाएं और उन्हें साथ लेकर ही जाएंगे।
- शांतिपूर्वक हेमकुंड यात्रा करने दी जाए।

### सरकार ने लगाई सिंहों की टोली

निहंगों से वार्ता के लिए सरकार ने भी अपने सिंहों की टीम उतारी थी। इनमें भुल्लर से लेकर कई अन्य सिख अफसर निहंगों से वार्ता करने पहुंचे। इससेन तो भाषा बाधा बनी और न ही सांस्कृतिक उलझन पैदा हुई। दो दिनों में कई दौर की वार्ता के बाद आखिरकार शुक्रवार को यह रणनीति काम कर गई और निहंगों के साथ सकारात्मक बातचीत से

### पंजाबी भाषा भी बनी बड़ी समस्या

ज्यादातर निहंग केवल पंजाबी भाषा में ही बात करते हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन और पुलिस अफसर को निहंगों से सीधा संवाद करने में भी कठिनाई हो रही थी। कई निहंग सिख इसी बात को कह रहे थे, उनसे पंजाबी में बात करो। ऐसे में पंजाबी कितने लोगों को आती है यह बड़ी समस्या थी।

## खबर संक्षेप

### छोटे चाय उत्पादकों को मिलेगी किसान आईडी

**गुवाहाटी।** असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि असम में छोटे चाय उत्पादक अब

किसान पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। सरकार के अलग-अलग लाभों का फायदा उठा सकेंगे। किसानों को किसान आईडी जारी की जाएगी। वे उर्वरक, सरकारी योजनाओं के लाभ,कर्ज और अन्य कृषि सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

### 300 फीट नीचे नाले में गिरी कार, 4 की मौत

**चंबा।** हिमाचल प्रदेश में चंबा जिला के जनजातीय उपमंडल भरमौर में शनिवार को भीषण

सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। सामरा-उरेई लिंक रोड पर सारणी का नाला के समीप एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में लुढ़कते हुए नाले में जा गिरी।कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 3लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 2 अन्य घायल हो गए।

### जोधपुर एयरपोर्ट का 4 को मोदी करेंगे उद्घाटन

**नई दिल्ली।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जोधपुर में 35 वर्षों से

अधिक समय से प्रतीक्षित नया एयरपोर्ट टर्मिनल अब जनता की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।नई दिल्ली से जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने यह बात कही।

### यूपीएससी की सीधी भर्ती के लिए आवेदन 17 तक

**नई दिल्ली।** यूपीएससी ने भारत सरकार के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से

ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 17 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।भर्ती से संबंधित विस्तृत विज्ञापन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिया है। विज्ञापन में पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए हैं।

### बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत, मां-बेटा घायल

**हापुड़।** थाना देहात क्षेत्र के एनएच-334 स्थित टियाला अंडरपास के पास शनिवार की

सुबह ट्रैक्टर ट्रॉली ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक कार के नीचे आ गई और कार हाईवे पर पलट गई। बाइक सवार जिला गाजियाबाद के गांव बम्हेटा निवासी विनोद उर्फ बबली (35) व उनके पुत्र प्रियांश (11) की मौके पर ही मौत हो गई।

## केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने गुजरात में लॉन्च की 'भारत टैक्सी सर्विस'

# देश के पहले राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म में ड्राइवर्स के पास होगा सीधे तौर पर 'मालिकाना हक'

## ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया

निजी कैब कंपनियों की मनमानी कैंसिलेशन होगी खत्म

निजी कैब कंपनियों की मनमानी और कैंसिलेशन की समस्याओं के सामधान के लिए केंद्र सरकार ने समाधान निकाला है। अब इस समस्या का एक नया और ठोस समाधान 'को-ऑपरेटिव मॉडल' (सहकारी ढांचे) के जरिए सामने आया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह भारत का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे तौर पर इसे चलाने वाले ड्राइवर्स के पास होगा। भारतीय मोबिलिटी सेक्टर में इस पहल को ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। शाह ने कहा कि इससे कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा, सात ही नागरियों को कई फायदे भी मिलेंगे। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के साथ ही कई जन प्रतिनिधि शामिल रहे।

### 'को-ऑपरेटिव मॉडल' से लोगों को दिया जा रहा लाभ

भारत सेवा टैक्सी लॉन्चिंग के कार्यक्रम में गृहमंत्री शाह और सीएम पटेल व अन्य

### पूरे गुजरात में माह में चलेंगी

लॉन्चिंग के पहले चरण में इस सेवा को गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। सरकार और सहकारिता मंत्रालय का लक्ष्य बेहद आक्रामक है; उन्होंने अगले एक महीने के भीतर इस सर्विस के ऑपरेशंस का विस्तार पूरे गुजरात राज्य में करने की योजना बनाई है।

### अब हर घर तक पहुंच होगी आसान

लॉन्चिंग कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ टैक्सी सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और आज यह जरूरत हर घर तक पहुंच गई है। उन्होंने साफ किया कि प्राइवेट सेक्टर की टैक्सी सेवाओं में कई तरह की दिक्कतें उभर कर सामने आ रही थीं, जिससे परेशान होकर आम जनता और ड्राइवर्स दोनों ने ही उनसे मुलाकात कर समाधान की उम्मीद जताई थी। इसी वजह से एक नए सहकारी ढांचे को विकसित करने का निर्णय लिया गया।

### इससे शोषणमुक्त होंगे लोग

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जब यह मुद्दा सामने आया, तो शुरुआत में यह विचार भी आया था कि सरकार को प्राइवेट कैब कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए एक नया कानून बनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल एक नया कानून बना देना किसी भी समस्या का 100 प्रतिशत समाधान नहीं हो सकता। यही कारण है कि सिर्फ कानूनी बंदिशों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार ने एक ऐसा बिजनेस मॉडल तलाशने का फैसला किया जो बुनियादी रूप से ही शोषण से मुक्त हो।

### कैब सेक्टर से शोषण आधारित व्यापार पर लगेगी बंदिश

इस बिजनेस मॉडल के पीछे का सबसे बड़ा विचार कैब सेक्टर से शोषण-आधारित व्यापार को खत्म करना है। जब टैक्सी सर्विस को-ऑपरेटिव मॉडल पर चलेगी, तो मुनाफे और कंट्रोल का एक बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवर्स के पास रहेगा, जिससे प्राइवेट कंपनियों द्वारा होने वाला शोषण खुद ही कम होने लगेगा। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने सहकारिता के माध्यम से कई अन्य सेक्टर्स में शानदार सफलता हासिल की है, इसलिए यही मॉडल टैक्सी सेक्टर की समस्याओं का भी एक सार्थक और प्रभावी समाधान बन सकता है। लब्बोलुआब यह है कि 'भारत टैक्सी' का यह नया प्रयोग भारतीय मोबिलिटी सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। अगर गुजरात में यह पायलट प्रोजेक्ट सफलता हासिल करता है, तो यह देश भर में राइड-हेलिंग बिजनेस के तौर-तरीकों को हमेशा के लिए बदल सकता है।

## अस्पतालों-कोचिंग में अग्निकांड

# सुप्रीम कोर्ट में कानून बनाने की मांग, सुरक्षा इंतजाम किए जाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में बार-बार होने वाले भीषण अग्निकांडों पर अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस में केंद्र सरकार को देश भर के उच्च जोखिम वाले सार्वजनिक परिसरों के लिए एक राष्ट्रीय अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है, साथ ही केंद्र सरकार पूरे देश के लिए एक मजबूत फायर सेफ्टी कानून बनाए। यह याचिका वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने दायर की है। उन्होंने कहा कि स्कूल, कोचिंग, हॉस्टल, होटल, रेस्तरां, मॉल और अस्पतालों के लिए एक सख्त नियम होना चाहिए। भारी भीड़ वाली इन जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बेहद जरूरी हैं।

### 3 महीने में हो हर बिल्डिंग की जांच

याचिका में सभी राज्यों को एक बड़ा निर्देश देने की मांग की गई है। वकील ने कहा कि 3-4महीने के भीतर सभी राज्यों में फायर ऑडिट होना चाहिए। खासकर कोचिंग हब, स्कूल, अस्पताल और मॉल की जांच पहले हो। दिल्ली और लखनऊ में दो बड़े हादसे हुए। याचिका में इन हादसों का जिक्र है। वकील ने कहा कि देश में एक जैसा कड़ा कानून नहीं है। इसी वजह से बार-बार ऐसी लापरवाही और मौतें हो रही हैं। याचिका में लिखा है, हादसे के बाद सिर्फ कमेटी बनाना काफी नहीं है। हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है। सरकार का काम केवल शोक मनाना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना है।कोर्ट से कहा गया है कि सभी राज्य एक लिस्ट सौंपें। अदालत को बताया जाए कि कितनी बिल्डिंग बिना फायर एनओसी के चल रही हैं।

### याचिका की 5 सबसे बड़ी बातें

- राष्ट्रीय स्तर पर बने कड़ा नियमः पूरे देश के सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले परिसरों के लिए एक समान और राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाए।
- 3-4महीने में हो विशेष ऑडिटः सभी राज्यों में स्कूल, कोचिंग, अस्पताल, होटल और मॉल का समय सीमा के भीतर सघन फायर ऑडिट हो।
- अवैध निर्माणों पर लगे तुरंत रोकः बिना मंजूरी के चल रहे बेसमेंट, छतों, अस्थायी ढांचों और अवैध मंजिलों पर क्लासरूम, लाइब्रेरी या रेस्तरां चलाने पर पूरी तरह पाबंदी हो।
- दोषी अफसरों की तय हो जवाबदेहीः बिना फायर एनओसी के खतरनाक इमारतों को चलने देने वाले सरकारी अधिकारियों पर सीधे क्रिमिनल केस दर्ज किया जाए।
- हादसों के सबूत रखे जाएं सुरक्षितः मालवीय नगर और अलीगंज जैसे हालिया हादसों के सीसीटीवी फुटेज, एनओसी और निरीक्षण रिकॉर्ड को तुरंत सील कर सुरक्षित करें।

## मंत्री नड्डा आज करेंगे शुभारंभ

# ई-सुश्रुत क्लीनिक से छोटे स्वास्थ्य केंद्र होंगे डिजिटल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में छोटे क्लीनिकों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के डिजिटलीकरण को नई गति मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा 29 जून को 'ई-सुश्रुतएट द रेट क्लीनिक' का शुभारंभ करेंगे। यह सी-डैक द्वारा विकसित हल्का, किफायती और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सक्षम हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम है।

### किफायती डिजिटल समाधान तैयार किया

देश के अनेक छोटे क्लीनिक अब भी मरीजों के पंजीकरण, बिलिंग और रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे कार्य मैनुअल तरीके से करते हैं। सी-डैक ने इसे विकसित किया है, जो सरल, क्लाउड आधारित और कम लागत वाला डिजिटल समाधान उपलब्ध कराएगा। इसे सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों, उप-केंद्रों और निजी क्लीनिकों में उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

## बेंगलुरु में युवती का अपहरण

# जिंदा जला अगवा करने वाला महिला, चालक कूदकर भागे

एजेंसी ▶▶ तुमकुरु

कर्नाटक के तुमकुरु जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक चलती कार

अचानक जोरदार धमाके के साथ आग का गोला बन गई। हादसे में कार के भीतर युवक जलकर कंकाल बन गया। पुलिस को आशंका है कि यह आत्मघाती कदम था और युवक ने कार के भीतर ही किसी विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। धमाके से ऐन पहले एक महिला और कार चालक कूदकर जान बचाई।

### जानलेवा हमला और फिर जोरदार धमाका

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 30 वर्षीय नागेंद्र के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नागेंद्र ने बेंगलूरू के जयानगर स्थित सिद्धापुरा इलाके से एक कार बुक की थी। आरोप है कि उसने राम्या नाम की एक महिला को जबरन कार में बैठाया और उसका अपहरण कर लिया।

## पूर्व राष्ट्रपति प्रणब की बेटी शर्मिष्ठा ने लेख साझा कर किया दावा

# मेरे पिता का मानना था मोदी से पहले किसी भी प्रधानमंत्री को सीधे जनादेश नहीं मिला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की बेटी और कांग्रेस की पूर्व नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने एक लेख में दावा किया है कि उनके दिवंगत पिता का मानना था कि नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्हें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में जनता से सीधे जनादेश मिला। उन्होंने लिखा कि पहले नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कोई भी प्रधानमंत्री सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुना गया था।

### किसी पूर्व प्रधानमंत्री को नहीं मिला यह श्रेय

### दोनों में अच्छे संबंध रहे

मुखर्जी ने लिखा- लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री को लेकर बहस के बीच मुझे प्रणब जी की 2014 में मोदी की जबरदस्त जीत पर कही गई दिलचस्प बात याद आती है। उस समय बाबा भारत के राष्ट्रपति थे।

### 3 दशकों के बाद किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत

उन्होंने कहा कि 3दशकों के बाद किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। तब बाबा ने प्रोफेसर वाले अंदाज में पूछा, और क्या? जब मोदी जी चुप रहे, तो बाबा ने बताया कि 2014 का चुनाव इतिहास में अनोखा था।

## 2 अलग-अलग मामलों में हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

# माता-पिता के विवाद में बच्चों को नुकसान, जबरन 'पिस' रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक चाइल्ड कस्टडी मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद का सबसे अधिक नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कस्टडी से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी या बच्चे को दूसरे अभिभावक को सौंपने में टालमटोल करने से नाबालिग को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव झेलना पड़ता है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

## चाइल्ड कस्टडी मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

### अदालत के चक्कर लगाना बच्चे के लिए नुकसानदायक

न्यायमूर्ति तेजस करिया और न्यायमूर्ति मधु जैन की खंडपीठ ने कहा कि कस्टडी विवादों में सबसे महत्वपूर्ण पहलू बच्चे का कल्याण है। अदालत ने माना कि जब माता-पिता अपने विवाद के कारण बच्चे को समय पर दूसरे अभिभावक के पास नहीं भेजते, तो अंततः इसकी कीमत बच्चे को चुकानी पड़ती है। ऐसे मामलों में लगातार अदालत का रुख करना भी बच्चे के मानसिक विकास और भावनात्मक संतुलन के लिए उचित नहीं है।

### माता-पिता के साथ सार्थक समय बिताने का है हक

पीठ ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को माता-पिता दोनों के साथ स्वस्थ और सार्थक संबंध बनाए रखने का अधिकार है। यदि छुट्टियों के दौरान कस्टडी देने में देरी करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया गया, तो इससे बच्चे के हितों के साथ अभिभावकों के साथ उसके संबंधों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

### झारखंड हाईकोर्ट ने की प्रशासन पर तल्ख टिप्पणी

### चाय-बिस्कुट ले गया नौकर उसे निकालना असंवेदनशील

**रांची।** झारखंड के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट

ने संवेदनशील निर्णय सुनाते हुए एक संविदा चपरासी की बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर दिया है। चपरासी को बहाल करने,50% पिछला वेतन देने का निर्देश दिया है। उसने चाय- बिस्कुट निकाल लिया था।

## प्रोविजनल आंसर-की जारी

# नीट में ड्रॉप हो गया एक सवाल एवज में मिलेंगे 4 बोनस नंबर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

री-नीट परीक्षा का रिजल्ट आने से पहले ही छात्रों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को देशभर में कड़ी सुरक्षा के बीच 5 हजार से अधिक केंद्रों पर आयोजिन हुई नीट परीक्षा की प्रोविजनल आंसर-की जारी हो गई है जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को ड्रॉप कर दिया गया है। छात्रों को 4 मार्क्स का फायदा हुआ है। भले ही किसी ने इस सवाल को सॉल्व किया हो या नहीं। फिजिक्स के एक और सवाल पर विवाद था। माना जा रहा था कि एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए। अब उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा तो, उन्हें पूरे 4 नंबर मिलेंगे।

### आंसर के चैलेंज का आज अंतिम दिन

एनटीए ने आंसर की जारी करते हुए उसमें से एक सवाल हटा दिया है लेकिन इसके साथ ही अगर किसी उम्मीदवार को किसी भी तरह की कोई दिक्कत है, तो वह उस सवाल के लिए चैलेंज कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री पार्टनर और करीबी दोस्त है। मैं इस दौरे को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है

तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी

# दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और समृद्धि को देंगे बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ विक्टोरिया

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिन के सरकारी दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी और उनके उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां पीएम मोदी को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। पीएम मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे।

## ◆ पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे

सेशेल्स पहुंचने पर पीएम मोदी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया

### राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे

पीएम मोदी ने सेशेल्स दौरे पर कहा- सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' का प्रमुख साझेदार है। जिसका मतलब है 'क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र प्रगति' और ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

### हिंद महासागर में करीबी दोस्त

*पीएम मोदी ने सेशेल्स पहुंचने पर एक पोस्ट में कहा कि सेशेल्स पहुंच गया हूं। एयरपोर्ट पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की मैं बहुत सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री पार्टनर और करीबी दोस्त है। मैं इस दौरे को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है।*

### भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

सेशेल्स एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और एक्स पर कहा कि ये सेशेल्स एयरपोर्ट पर हुए शानदार स्वागत की कुछ झलकियां हैं। भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह के लिए उनका शुक्रिया।

### नेशनल बोटैनिकल गार्डन गए

पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ एक कार में सफर के दौरान की तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ सेशेल्स के नेशनल बॉटनिकल गार्डन जाते हुए।

### कच्छ के नृत्य की प्रस्तुति

पीएम मोदी के स्वागत के लिए कच्छ का नृत्य प्रस्तुत किया गया। पीएम मोदी ने लिखा कि शानदार सांस्कृतिक जुड़ाव! सेशेल्स में एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान कच्छ का नृत्य भी शामिल था।

## खबर संक्षेप

### कश्मीर में दौड़ेंगी 100 नई इलेक्ट्रिक बसें

**श्रीनगर।** बहुत जल्द श्रीनगर स्मार्ट सिटी की सड़कों पर और अधिक स्मार्ट सिटी बसें दौड़ेंगी। श्रीनगर

स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत श्रीनगर के लिए मंजूर की गई 100 नई इलेक्ट्रिक बसें इस साल अक्टूबर-नवंबर में कश्मीर पहुंचने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि बसों को खरीदने की प्रक्रिया अभी चल रही है। पहला बैच इस साल अक्टूबर-नवंबर में आ जाएगा। टेंडरिंग की प्रक्रिया और अन्य औपचारिकताएं आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा पूरी की जा रही हैं।

### तीन माह के बेटे संग बैठक में पहुंची स्वीडन की मंत्री

**लक्जमबर्ग।** स्वीडन की मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी अपने तीन महीने के बेटे एडम को गोद में

लेकर यूरोपीय संघ के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं। यूरोपीय यूनियन की बैठक में पहली बार ऐसा देखने को मिला, जब इतना नन्हा मेहमान इसका हिस्सा बना। रोमिना ने कहा कि मैंने जानबूझकर ऐसा किया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि मां बनने का मतलब यह नहीं कि किसी महिला का कॅरिअर रुक जाए। 30 साल की पोरमोख्तारी वर्ष 2022 में पद संभालने के समय स्वीडन की सबसे कम उम्र की मंत्री थीं।

### गुलमर्ग में ब्लास्ट, एक पोर्टर की मौत, 4 घायल

**श्रीनगर।** जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में धमाका हुआ है। इसमें एक पोर्टर

की मौत हो गई, जबकि चार अन्य के घायल होने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सुमली वाली ढोक में आशा पोस्ट के नजदीक एक धमाका हुआ। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जाबिर अहमद बजाद के रूप में हुई है, जो मोहम्मद रफीक बजाद का बेटा था और बारामूला के चंदूसा में गलीबल का रहने वाला था।

## लंदन में एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों से मिले केंद्रीय मंत्री गोयल

# भारत-यूके सीईटीए को बताया आर्थिक साझेदारी का आधार, निवेश के कई सुनहरे अवसर खुलेंगे

एजेंसी ▶▶ लंदन

पीयूष गोयल ने भारत के मजबूत मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती देगा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उपयोगी गोलमेज बैठक की, जिसमें भारत-यूके आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और भविष्य के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत विनिर्माण ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अपार अवसर वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर कहा कि बैठक के दौरान भारत के मजबूत विनिर्माण ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती देगा।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए भारत का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता

पीयूष गोयल यूकेआईबीसी सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए

### यूकेआईबीसी के साथ निवेश पर चर्चा

*वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सदस्यों के साथ एक इंटरैक्टिव लंच बैठक भी की। दुनिया की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ भारत-यूके आर्थिक सहयोग, निवेश बढ़ाने और नए कारोबारी अवसरों पर चर्चा की। सहयोग को और गहरा कर भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।*

### देशभर में 1,000 सलाहकार होंगे तैनात

*केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देशभर में 1,000 सलाहकार कर्मियों की तैनाती और व्यापार पोर्टल को उन्नत बनाने की घोषणा की, ताकि उद्योग जगत भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का अधिकतम लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई, 2026 से लागू होने वाला यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार एवं निवेश के नए अवसर खोलेगा। लंदन में आयोजित 10वें वार्षिक ब्रिटेन-भारत सप्ताह के दौरान विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन सीईटीए भारत का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता है। उन्होंने बताया कि इससे दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में 25.5 अरब जीबीपी (ग्रेट ब्रिटिश पाउंड) की वृद्धि होने का अनुमान है।*

### शिक्षा और नवाचार पर जोर

पीयूष गोयल ने लंदन बिजनेस स्कूल में फैकल्टी, छात्रों, पूर्व छात्रों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने एक विशेष फायरसाइड चैट में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के संबंधों को मजबूत बनाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। छात्र, पेशेवर और उद्यमी दोनों देशों के बीच सहयोग, नवाचार और लोगों के बीच संबंधों को और सशक्त बना सकते हैं।

### ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने का आह्वान

पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत विश्वास, प्रतिभा, समावेशी विकास और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने उद्योग जगत से ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर मजबूती से प्रस्तुत करने, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को अपनाने और ब्रिटेन के साथ दीर्घकालिक व्यापार एवं निवेश साझेदारियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यम देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## यूएस विदेश मंत्री रुबियो ने की पुष्टि

# जल्द आएंगे राष्ट्रपति ट्रंप समझौता अंतिम चरण में

यूएस विदेश मंत्री मार्को रुबियो

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं।

### भारत अमेरिका का करीबी सहयोगी

*अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। रुबियो ने कहा है कि भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि दोनों देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा कर रहे हैं। उन्होंने भारत की ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति का समर्थन करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में गहरा सहयोग दोनों देशों की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत कर सकता है।*

### पीएम मोदी बेहद ऊर्जावान: गोर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। पीएम मोदी के बारे में गोर ने कहा कि वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

## ट्रंप ने चेतावनी देते हुए किया ऐलान

# डिजिटल सेवा कर लगाने पर यूएस 100% टैरिफ लगाएगा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई देश अमेरिका की डिजिटल सेवा से जुड़ी कंपनियों पर टैक्स लगाता है, तो उनकी सरकार ऐसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएगी। ट्रंप ने साफ किया कि यह टैरिफ उन देशों पर ऊपर से लगेगा, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार समझौता लागू होगा। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय संघ (ईयू) ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की शर्तें लगभग तय कर ली हैं और दोनों देशों के बीच इस पर मुहर लगने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। डिजिटल सेवा कर आमतौर पर देशों की तरफ से इसलिए लागू किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मल्टीनेशनल (बहुराष्ट्रीय) तकनीकी कंपनियां उस देश के कर ढांचे में अपना योगदान दें, जहां के ग्राहकों से वे कमाई कर रही हैं।

## भारत अग्रणी प्रौद्योगिकी देश बन रहा

# एआई, परमाणु और अंतरिक्ष में अनुसंधान से तय होगा भविष्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा पीएम

कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम प्रौद्योगिकियां भविष्य के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की रूपरेखा तय करेंगी। उन्होंने कहा कि भारत इन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में तेजी से अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो रहा है। 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने तीन वर्षों के भीतर अपने निर्धारित लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं।

भारत क्वांटम-सुरक्षित संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग और संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। क्वांटम-सुरक्षित संचार रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

## बाल्टीमोर पहुंचा आईएनएस सुदर्शनी

**नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी ऐतिहासिक समुद्री अभियान 'लोकायन-26' के तहत 26 जून को अमेरिका के मैरीलैंड स्थित बाल्टीमोर बंदरगाह पहुंचा। नॉरफ़ॉक से बाल्टीमोर तक की यात्रा के दौरान पोत ऐतिहासिक चेसापीक एवं डेलावेयर (सीएंडडी) नहर और मध्य-अटलांटिक क्षेत्र के प्रमुख पुलों के नीचे से होकर गुजरा। बाल्टीमोर यात्रा भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और भारतीय नौसेना तथा अमेरिकी नौसेना के बीच मजबूत मित्रता एवं सहयोग का प्रतीक मानी जा रही है। इस दौरान पोत अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'सेल250 मैरीलैंड' समारोह से पहले विभिन्न समुद्री और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा।

## मुंबई में मुहर्रम जुलूस के दौरान बड़ी साजिश नाकाम

30000 कैप्सूल तैयार किए, करीब 15000 बरामद

# जहरीले पदार्थ को कैप्सूल में भरकर बेचने वाला एक युवक हिरासत में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई में मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस ने फैयाज प्रेमजी नाम के युवक को हिरासत में लिया है, जिस पर जिंक फॉस्फाइड जैसे जहरीले पदार्थ को कैप्सूल में भरकर लोगों के बीच पेन किलर बताकर बेचने का आरोप है। यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो बड़ी संख्या में लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी। मामले की जांच जारी है और आरोपी के इरादों का पता लगाया जा रहा है।

आरोपी फैयाज

### कैप्सूल में भरा था जिंक फॉस्फाइड

मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर 50 किलोग्राम जिंक फॉस्फाइड मंगवाया था। उसने लगभग 30 हजार कैप्सूल में एक-एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड भरा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 14,900 कैप्सूल बरामद किए हैं। फैयाज पुणे के विमान नगर का निवासी बताया जा रहा है।

### लाल किला ब्लास्ट केस में 3 के खिलाफ दाखिल हुई चार्जशीट

एनआईए ने नवंबर, 2025 में दिल्ली में लाल किला के पास हुए कार बम धमाका मामले में 3 और आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। इस ब्लास्ट में 11 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए ने अपने केस में तुफैल अहमद भट, मुजफ्फर अहमद उर्फ फराज उर्फ जफर और जमीर अहमद आहंगर को आरोपी बनाया है। ये तीनों जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। साथ ही, इस केस में चार्जशीट किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर अब 13 हो गई है।

### खालिस्तानी आतंकियों के निशाने पर कई मंदिर

खुफिया विभाग ने उत्तराखंड से लेकर दिल्ली तक आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। आतंकी उत्तराखंड और दिल्ली के मंदिरों, सरकारी संस्थान, रेलवे स्टेशन और पुलिस को भी टारगेट कर सकते हैं। एक ईमेल के मिलने के बाद से उत्तराखंड पुलिस, इंटेलिजेंस एजेंसियां और दिल्ली पुलिस अलर्ट पर हैं। ईमेल में कई मंदिरों के नाम, कई ऑफिस और पॉलिटिकल नेताओं को टारगेट के बारे में भी लिखा है। दिल्ली पुलिस भी अब इस ईमेल की जांच में जुटी है। अलर्ट मिलने के बाद उत्तराखंड पुलिस, खुफिया एजेंसियों और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया है।

## खबर संक्षेप

### नए कानून क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला आज

**भोपाल।** भारत सरकार की ओर से लागू नवीन आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता 2023 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तंभों (पुलिस, न्यायपालिका, अभियोजन, कारागार एवं फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) के मध्य डिजिटल समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए (आईसीजेएस) के तहत एक राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविवार 28 जून को सुबह 9.30 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल), भोपाल में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न जिलों के माननीय न्यायाधीश, मेडिकल आफिसर्स, अभियोजन, कारागार तथा फोरेंसिक साइंस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य नवीन आपराधिक कानूनों की डिजिटल रूप से प्रभावी क्रियान्वयन रणनीतियों पर विमर्श करना एवं सभी स्तंभों के बीच समन्वय स्थापित करना है।

### संयुक्त संचालक स्तर के अफसरों के हुए तबादले

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग में स्थानांतरण प्रक्रिया जारी है। विभाग ने संयुक्त संचालक स्तर के अधिकारियों के तबादले की सूची जारी की है। इसके साथ ही विभाग ने 10 प्राचार्यों के तबादला आदेश भी जारी किए हैं। इनमें प्रमुख रूप से अरविंद सिंह को संयुक्त संचालक, ग्वालियर से लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल, महेश पांडवा को प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान छिंदवाड़ा से प्रभारी संयुक्त संचालक (विधि प्रकोष्ठ), लोक शिक्षण जबलपुर, अरुण इगले को संयुक्त संचालक, जबलपुर से प्रभारी संयुक्त संचालक, नर्मदापुरम, प्रियांशु शर्मा को विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नटेरन (विदिशा) से लोक शिक्षण संचालनालय सहित अन्य अधिकारियों के आदेश जारी हुए हैं।

### वन कर्मचारी पर हमला करने पर लगाएं रासुका

**भोपाल।** मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर राजगढ़ वन मंडल के वन कर्मचारी के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले वन माफिया को तत्काल गिरफ्तार कर रासुका की कार्रवाई करने की मांग की है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राजगढ़ वन मंडल के सुठालिया वन क्षेत्र में सागौन की तस्करी करने वाले वन माफिया को पकड़ने गई वन कर्मचारियों की टीम के ऊपर वन माफिया ने फायरिंग कर हथियारों से प्राण घातक हमला कर दिया। जिसमें वन कर्मचारी अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन वन माफिया को पुलिस प्रशासन ने अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। पांडे ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार वन माफिया वन कर्मचारी के ऊपर प्राण घातक हमला कर रहो है लेकिन सरकार वन माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर रही है। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि वन कर्मचारी के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले वन माफिया को तत्काल गिरफ्तार कर रासुका की कार्रवाई की जाएं।

---

पिता पर भी किया हमला, पैर टूटा, हाथ व शरीर पर आईं गंभीर चोटें

# दिव्यांग बेटे ने संपत्ति विवाद के चलते लाठी मारकर मां को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम चीतापाली में शुक्रवार देर रात एक दिव्यांग बेटे ने अपनी ही मां की लाठी मारकर हत्या कर दी और पिता पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। उरगा थाना प्रभारी एसआई नवीन पटेल से मिली जानकारी के अनुसार चीतापाली निवासी श्याम लाल यादव के दो बेटे हैं।

बड़ा बेटा पत्नी-बच्चों के साथ कोरबा शहर में रहता है। घर में श्याम लाल, उनकी पत्नी जानकुंवर और छोटा बेटा रामकुमार यादव रहते थे। रामकुमार दिव्यांग है और लाठी के सहारे चलता है। वह लंबे समय से जमीन का बंटवारा चाह रहा था, लेकिन माता-पिता अभी बंटवारा नहीं करना चाहते थे। शुक्रवार रात करीब 9-10 बजे रामकुमार ने फिर से बंटवारे की बात उठाई। मना करने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

**आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार**

गुस्से में आकर रामकुमार ने लाठी से मां जानकुंवर के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट से जानकुंवर की मौके पर ही मौत हो गई। इतने से भी मन नहीं भरने पर आरोपी ने पिता श्याम लाल पर भी लाठी बरसाई, जिससे उनका एक पैर टूट गया और हाथ व शरीर पर कई चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद रामकुमार घर से फरार हो गया। रातभर मां का शव घर में पड़ा रहा। शनिवार सुबह घटना की सूचना उरगा पुलिस को मिली। थाना प्रभारी नवीन पटेल तत्काल टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल श्याम लाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसे ग्राम अंजोरीपाली से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रामकुमार ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले भी माता-पिता से मारपीट कर चुका है। उसके खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर रिमांड पर भेजने की तैयारी की जा रही है।

---

कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भालूमोड़ के पास की घटना

# दो तेज रफ्तार ट्रालों में जोरदार टक्कर एक चालक की मौके पर दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

शनिवार की सुबह कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भालूमोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। यहां दो तेज रफ्तार ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह के समय हुआ जब दोनों ट्रेलर तेज गति से एक-दूसरे की ओर आ रहे थे।

नियंत्रण खोने के कारण आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद एक ट्रेलर का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव केबिन के अंदर इस कदर फंस गया था कि उसे निकालने के लिए कटर का सहारा लेना पड़ा। दूसरा ट्रेलर चालक हादसे के बाद फरार हो गया। पुलिस अब फरार ट्रेलर और चालक की तलाश में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ कर वाहन की पहचान की जा रही है।

**पुलिस ने तेज की अन्य फरार ड्राइवर की तलाश**

सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कटर की मदद से ट्रेलर की केबिन काटी और चालक के शव को बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों और वाहन मालिक को हादसे की सूचना दे दी है। परिजनों के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। फरार ट्रेलर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और हिट एंड रन का मामला दर्ज किया जाएगा। वाहन के नंबर के आधार पर मालिक का पता लगाया जा रहा है।

---

अवैध कॉलोनाइजरों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान

# नया कॉलोनी कानून तैयार, 5 साल में विकास कार्य नहीं तो लाइसेंस रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में अवैध और अनाधिकृत कॉलोनियों पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश कॉलोनी अधिनियम-2026 का मसौदा तैयार कर लिया है। ड्राफ्ट को जल्द ही वरिष्ठ सचिव समिति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। नए कानून में कॉलोनाइजरों के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि कॉलोनी की अनुमति लेने के बाद तय समय में विकास कार्य पूरे नहीं किए गए तो लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

वहीं अवैध कॉलोनियां बसाने वालों को 10 साल तक की जेल और 5 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, किसी भी कॉलोनाइजर को कॉलोनी की अनुमति मिलने के बाद पांच वर्ष के भीतर सड़क, पेयजल, बिजली, सीवरेज और अन्य आंतरिक विकास कार्य पूरे करना अनिवार्य होगा। विशेष परिस्थितियों में नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) अधिकतम दो वर्ष का अतिरिक्त समय दे सकेंगे। यदि अनुमति लेने के बाद भी कॉलोनाइजर कॉलोनी विकसित नहीं करता, तो उसे एक वर्ष के भीतर अपना लाइसेंस निरस्त कराना होगा। नया अधिनियम शासकीय कॉलोनियों के अलावा भोपाल, महू, ग्वालियर, जबलपुर सहित प्रदेश के सातों कंटोनमेंट क्षेत्रों में भी लागू होगा। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कॉलोनी विकास नियमों को एकीकृत कर अवैध कॉलोनियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

**मध्य प्रदेश सरकार ने तैयार किया मसौदा**

**ड्राफ्ट को वरिष्ठ सचिव समिति के पास मंजूरी के लिए भेजा**

**खरीदारों पर भी आर्थिक जिम्मेदारी**

शिकायत मिलने के बाद यदि पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई का प्रावधान रहेगा। अनाधिकृत कॉलोनियों में मकान या प्लॉट खरीदने वालों को भी नए कानून के तहत आर्थिक जिम्मेदारी उठानी होगी। ऐसी कॉलोनियों में आवश्यक आंतरिक विकास कार्यों की 50 प्रतिशत लागत रहवासियों से वसूली जाएगी, जबकि शेष राशि कॉलोनाइजर की बैंक गारंटी और संपत्ति जब्त कर वसूल की जाएगी।

**ड्राफ्ट में संक्रमणशील क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान**

ड्राफ्ट में संक्रमणशील क्षेत्रों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। शहरों की सीमा, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, हवाई अड्डों और निवेश क्षेत्रों के आसपास कॉलोनी विकसित करने पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। निवेश क्षेत्रों से 16 किलोमीटर की परिधि तक शहरी मानकों के अनुसार ही अनुमति दी जाएगी। अब शासकीय भूमि, विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड, नगर निकाय, विकास योजना, खेल मैदान, पार्क, नदी-नालों तथा राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के लिए अधिसूचित भूमि पर विकसित कॉलोनियों को अवैध माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित वार्ड प्रभारी से लेकर कलेक्टर तक की जवाबदेही तय होगी।

**कार्रवाई के लिए 15 दिन की समय-सीमा का प्रस्ताव**

सरकार ने अवैध और अनाधिकृत कॉलोनियों पर कार्रवाई के लिए 15 दिन की समय-सीमा तय करने का प्रस्ताव रखा है। वहीं कॉलोनी विकास से संबंधित विभिन्न अनुमतियां अधिकतम 45 दिन में जारी करनी होंगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि नए कॉलोनी अधिनियम का उद्देश्य अवैध कॉलोनियों पर प्रभावी रोक लगाना, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करना और अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है।

---

प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को देना होगी जानकारी

# मंत्रालय के अधिकारियों के लिए सेल्फ असेसमेंट की डेडलाइन तय, चार दिन में भरनी होगी सीआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश शासन ने मंत्रालय सेवा के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (सीआर) भरने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना सेल्फ असेसमेंट अनिवार्य रूप से दर्ज करें। इसके लिए अब अधिकारियों के पास केवल चार दिन का समय शेष है। वर्ष 2025-26 की गोपनीय चरित्रावली के लिए मंत्रालय सेवा के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को 30 जून तक ऑनलाइन सेल्फ असेसमेंट प्रस्तुत करना होगा। इसके बाद सक्षम अधिकारी 31 जुलाई तक मूल्यांकन दर्ज करेंगे, पुनर्मूल्यांकन अधिकारी 30 सितंबर तक समीक्षा करेंगे। स्वीकारकर्ता प्राधिकारी 30 नवंबर तक अंतिम मूल्यांकन पूरा करेंगे।

**देरी होने पर मौका नहीं**

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में अपना सेल्फ असेसमेंट दर्ज नहीं करता है तो उसकी वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (सीआर) का अंतिम मान ही स्वीकार कर लिया जाएगा। यानी विलंब होने पर संबंधित अधिकारी को अपनी बात या उपलब्धियां दर्ज कराने का अवसर नहीं मिलेगा।

---

पुलिस महानिदेशक (रेल) सिंह ने दिए निर्देश

# जीआरपी: स्वस्थ रहने हर शनिवार 5 किमी दौड़ेंगे आरक्षक से एसपी तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र रेलवे पुलिस (जीआरपी) में अब फिटनेस को लेकर बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल) राजाबाबू सिंह ने रेलवे पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हर शनिवार 5 किमी की अनिवार्य दौड़ के निर्देश दिया हैं।

इस अभियान में आरक्षक से लेकर पुलिस अधीक्षक (एसपी) तक सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे। एडीजी रेल का स्पष्ट कहना है कि पुलिस जनता के लिए एक फिटनेस आइकॉन होती है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को सेहतमंद दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की शारीरिक फिटनेस बेहतर होगी तो उसका सकारात्मक असर उनकी कार्यक्षमता और जनता के बीच पुलिस की छवि पर भी पड़ेगा। रेलवे पुलिस में करीब 1500 जवान और अधिकारी पदस्थ हैं। एडीजी के निर्देश सभी रेल पुलिस अधीक्षकों, डीएसपी और जीआरपी थाना प्रभारियों तक पहुंचा दिए गए हैं। आदेश के अनुसार हर शनिवार आयोजित होने वाली 5 किमी की दौड़ में भाग लेना अनिवार्य होगा। रेल एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि मोहर्रम के दौरान पुलिस बल की कानून-व्यवस्था संबंधी ड्यूटी के कारण इस सप्ताह दौड़ आयोजित नहीं हो सकेगी। अब यह अभियान 4 जुलाई से शुरू होगा। दौड़ का रूट भदभदा स्थित रेल आईजी कार्यालय से शुरू होकर न्यू मार्केट होते हुए प्लेटिनम प्लाजा तक रहेगा। इसमें अधिकारी और जवान एक साथ दौड़ लगाएंगे।

एडीजी राजाबाबू सिंह ने कहा कि जिन पुलिसकर्मियों की उम्र 45 वर्ष से कम है, उनके लिए 5 किलोमीटर दौड़ अनिवार्य रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं इस दौड़ में शामिल होंगे, जबकि उनकी उम्र 59 वर्ष है। उनका मानना है कि जब वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरेंगे तो जवानों का मनोबल बढ़ेगा और फिटनेस के प्रति प्रेरित होंगे।

---

# मंत्री परमार ने कार्यकर्ताओं से संवाद कर जनसमस्याएं सुनीं

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते मंत्री परमार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। मंत्री इंदर सिंह परमार ने प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं, आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया।

फैसले से राज्य के कानूनी और सामाजिक ढांचे में होंगे बदलाव

# यूसीसी लागू करने की तैयारी में छत्तीसगढ़ सरकार, हाईलेवल कमेटी को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। सरकार के इस अहम कदम से राज्य के कानूनी और सामाजिक ढांचे में बदलाव आ सकता है। कैबिनेट ने जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाने को मंजूरी दी है। इस कमेटी का काम कानून का ड्राफ्ट तैयार करना होगा, जिससे भाजपा सरकार के चुनावी वादों में से एक को पूरा किया जा सकेगा।

**पांच सदस्यों की होगी कमेटी**

इस फैसले के साथ, छत्तीसगढ़ उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है जो यूसीसी पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पांच सदस्यों वाली इस कमेटी की अध्यक्षता जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। वह सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज हैं और अहम संवैधानिक व कानूनी पैनलों का नेतृत्व करने के लिए जानी जाती हैं। एक्सपर्ट होंगे शामिल उनके साथ कमेटी में रिटायर्ड नौकरशाह, अनुभवी कानूनी विशेषज्ञ और सीनियर वकील शामिल हैं।

---

# लघु वेतन कर्मियों की मांगों का हल नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को आंबेडकर मैदान में प्रदेशभर से आए हजारों अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों के समर्थन में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने कहा कि यह आंदोलन कर्मचारियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

आंबेडकर मैदान में प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि 15 सूत्रीय मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ प्रदेशभर में चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन प्रारंभ करेगा। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन के नाम 15 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासन को सौंपा।

---

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर बड़ी साइबर ठगी का मामला

# शेयर बाजार में भारी मुनाफे का लालच देकर 20 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी

▶▶ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर बड़ी साइबर ठगी का मामला सामने आया है। भारत सरकार के उपक्रम IRCON इंटरनेशनल लिमिटेड में कार्यरत सीनियर रेलवे मैनेजर कुंदन कुमार से साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 20 लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर ली।

पीड़ित की शिकायत पर गौरेला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, कुंदन कुमार मूल रूप से पटना (बिहार) के निवासी हैं और वर्तमान में डुमरिहा, गौरेला में रहकर गेवरारोड से पेण्ड्रारोड नई रेल लाइन परियोजना में प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल 2025 को उनकी पहचान ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़े लोगों से हुई। आरोपियों ने उन्हें मानसा केपिटल नामक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कर शेयर बाजार में निवेश करने की सलाह दी। साथ ही कम समय में कई गुना मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। ठगों के झांसे में आकर उन्होंने अलग-अलग किस्तों में कुल 20.70 लाख रुपये निवेश कर दिए। कुछ समय बाद ऐप पर उनके खाते में करीब 80 लाख रुपये की राशि दिखाई देने लगी।

***तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस***

*जब उन्होंने इस रकम को निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने टैक्स, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क के नाम पर बहाने बनाना शुरू कर दिया। शक होने पर कुंदन कुमार ने संबंधित मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया, लेकिन सभी नंबर बंद मिले। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने तत्काल गौरेला थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। गौरेला पुलिस ने कुंदन कुमार की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की है।*

---

लोक भवन में मनाया गया पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस

# विविधता में एकता का आधार भारत के विभिन्न राज्यों के लोग, हमारी आत्मीयता...साम्यता का मंच स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत की विविधता में एकता का आधार भारत के विभिन्न राज्यों के लोग हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दूध में शक्कर घुल जाती है, उसी तरह से मप्र में बंगाल के मूल निवासी घुल मिल गए हैं।

हमारी अनेकता में एकता की आत्मीयता और साम्यता को राज्य स्थापना दिवस के आयोजन साकार करते है। आयोजन के मंच पर हमारी वेशभूषा, गीत, नृत्य में समाई हमारी सांस्कृतिक विविधता में एकता की झलक मिलती है। पश्चिम बंगाल की प्रस्तुतियों में उन्हें गुजरात के गरबा नृत्य और वेशभूषा में असम राज्य की झलक दिखाई दी। राज्यपाल पटेल आज लोकभवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस के प्रसंग में आयोजित समारोह में सम्मिलित भोपालवासी बंगाली मूल के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना को सुदृढ़, राष्ट्रीय एकात्मकता को नई शक्ति प्रदाय करने और राज्यों के मध्य परस्पर सांस्कृतिक संवाद, आपसी समझ और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देने के प्रयास अद्भुत है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भोपाल के विभिन्न काली बाड़ियों के सदस्य उपस्थित थे।

रिकार्ड बता रहे हैं कि जेवर चोरी नहीं, विधिवत गिरवी रखे गए थे

# अपर सत्र न्यायालय ने पलटा मजिस्ट्रेट का आदेश

## पांच लाख की प्रतिभूति पर सुपुर्दगी के निर्देश

**जबलपुर** । सात वर्षों से चोरी के कथित आभूषणों के विवाद में उलझे सराफा व्यापारी को 18 वें अपर सत्र न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि उपलब्ध दस्तावेज, गिरवी रजिस्टर और पुलिस विवेचना प्रथम दृष्टया इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि जिन आभूषणों को चोरी का बताया गया था, वे वास्तव में आर्थिक आवश्यकता के चलते विधिवत गिरवी रखे गए थे। इसी निष्कर्ष के साथ न्यायालय ने निचली अदालत का आदेश निरस्त कर आभूषण सुपुर्द करने के निर्देश जारी कर दिए।

पुनरीक्षणकर्ता जबलपुर निवासी विनोद अवधिया की ओर से अधिवक्ता शांतनु आयाची और आदर्श हीरा ने तर्क दिया कि चोरी की पूरी कहानी एक झूठी रिपोर्ट पर आधारित थी। गिरवी रखे गए जेवरों को चोरी की संपत्ति बताकर व्यापारी को अनुचित रूप से मुकदमे में उलझाया गया। अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए सात वर्ष पुराने विवाद में सराफा व्यापारी को महत्वपूर्ण न्यायिक राहत प्रदान की।

न्यायालय ने थाना कोतवाली में दर्ज मामले अंतर्गत जब्त स्वर्णाभूषण पांच लाख की प्रतिभूति पर विनोद अवधिया को सुपुर्द करने का आदेश दिया। साथ ही शर्त रखी कि अंतिम निर्णय तक आभूषणों की मूल स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा ।आवश्यकता पड़ने पर उन्हें विचारण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

**हाई कोर्ट ने कहा-सात दिन में आवेदन दें, 30 दिन में फैसला करें सक्षम प्राधिकारी**

## *स्थानांतरण पर तत्काल राहत : आवेदन के निर्णय तक आदेश पर रोक*

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने रायसेन जिले के जनपद पंचायत बेगमगंज में पदस्थ सहायक लेखा अधिकारी सावन श्रीवास को स्थानांतरण मामले में अंतरिम राहत प्रदान की है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता सात दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करें। प्राधिकारी को उस पर 30 दिनों के भीतर निर्णय लेना होगा। तब तक 15 जून, 2026 का स्थानांतरण आदेश प्रभावी नहीं रहेगा और याचिकाकर्ता वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही कार्य करते रहेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता भूपेन्द्र कुमार शुक्ला ने दलील दी कि स्थानांतरण आदेश स्थानांतरण नीति के विपरीत है व इससे व्यक्तिगत कठिनाई भी उत्पन्न होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले से दिया गया अभ्यावेदन लंबित है। राज्य की ओर से पैनल अधिवक्ता जुबिन प्रसाद ने तर्क दिया कि स्थानांतरण नीति के उल्लंघन अथवा व्यक्तिगत कठिनाई के आधार पर रिट क्षेत्राधिकार में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

जबलपुर मुख्यालय से होगी लाईव निगरानी

# ट्रांसको के सब-स्टेशनों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगेंगे

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने जबलपुर,भोपाल, इंदौर,उज्जैन, ग्वालियर सहित राज्य के अपने एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों की सुरक्षा सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हाई-परफॉर्मेंस एचडी सीसीटीवी कैमरों की स्थापना शुरू कर दी है। लगभग 8.15 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना विद्युत ग्रिड को चोरी, अनाधिकृत प्रवेश और संभावित नुकसान से सुरक्षित रखने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 417 सबस्टेशनों पर कैमरे चरणबद्ध तरीके से लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों की स्थापना से सबस्टेशनों की सुरक्षा एवं गश्त में मानव संसाधन के साथ तकनीक के उपयोग से सुरक्षा की दोहरी परत सुनिश्चित की जा सकेगी।

### टेक्नोलॉजी आधारित सुरक्षा कवच

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि यह पहल एमपी ट्रांसको द्वारा एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों की निगरानी हेतु ड्रोन तकनीक के उपयोग के बाद उठाया गया एक और तकनीकी कदम है, जो कंपनी के टेक्नोलॉजी-आधारित सुरक्षा समाधान की दिशा में बढ़ते प्रयासों को दर्शाता है। कैमरे लगाने का निर्णय पूर्व में ट्रांसफॉर्मरों से कॉपर न्यूट्रल स्ट्रिप की बढ़ती चोरी की घटनाओं के मद्देनजर लिया गया था। ये कॉपर स्ट्रिप ट्रांसफॉर्मर का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग हैं, जिनके हटाए जाने से व्यापक क्षति और विद्युत आपूर्ति में गंभीर बाधा उत्पन्न हो सकती है। चोर इन कॉपर स्ट्रिप्स को निशाना बना रहे थे, जिनका उनके लिए भले ही सीमित मूल्य हो, लेकिन ट्रांसफॉर्मरों के लिए यह अत्यंत आवश्यक हैं। इन स्ट्रिप्स को हटाने से न केवल चोरों के जीवन को खतरा होता है, बल्कि ट्रांसफॉर्मर फेल होने की स्थिति में उपभोक्ताओं को तीन से चार माह तक बिजली आपूर्ति से वंचित होना पड़ सकता है।

### कॉपर स्ट्रिप चोरी से आपूर्ति में सबसे बड़ी बाधा

यदि कॉपर स्ट्रिप चोरी के कारण ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त होता है, तो कंपनी को आर्थिक क्षति के साथ-साथ महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था दो से तीन माह तक प्रभावित हो सकती है। ट्रांसफॉर्मर प्रायः ऑर्डर पर निर्मित होते हैं, इसलिए उन्हें बदलने में कई महीने लग जाते हैं। स्थापित एचडी कैमरे सबस्टेशनों को 360 डिग्री कवरेज प्रदान कर रहे हैं तथा इनमें नाइट विजन, मोशन डिटेक्शन और हाई-रिजॉल्यूशन रिकॉर्डिंग जैसी आधुनिक तकनीकें भी उपलब्ध हैं। इससे रात के समय या दूरस्थ क्षेत्रों में भी संदिग्ध गतिविधियों की पहचान आसानी से की जा सकेगी।

### लाइव फीड अधिकारियों के मोबाइल पर

इन कैमरों का लाइव फीड संबंधित सबस्टेशन प्रभारियों को उनके मोबाइल उपकरणों पर उपलब्ध रहेगा। इसके अतिरिक्त ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के एकीकरण के माध्यम से जबलपुर स्थित शक्तिभवन मुख्यालय के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से प्रदेश के सभी 417 सबस्टेशनों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग का कार्य प्रगति पर है। इस तकनीकी व्यवस्था से न केवल सुरक्षा में वृद्धि होगी, बल्कि किसी भी तकनीकी गड़बड़ी, अनाधिकृत प्रवेश या आपात स्थिति की त्वरित जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।

**टैंकरों के पीछे दौड़ रहे लोग, भीषण गर्मी में नहाना भी मुश्किल**

# शहर प्यासा, रांझी के बाद अब सदर में गहराया जलसंकट

**जबलपुर।** आसमान से बरसने वाली बारिश की हर बूंद का इंतजार कर रहा जबलपुर इन दिनों भीषण जलसंकट से जूझ रहा है। मानसून की सुस्ती का असर अब शहर की नलों तक साफ दिखाई देने लगा है। रांझी क्षेत्र के बाद अब सदर और उससे जुड़े कई इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। हालात ऐसे हैं कि अनेक बस्तियों में लोगों को एक समय की जलापूर्ति भी नसीब नहीं हो रही। सुबह नलों के पास खाली बाल्टियों की कतारें लग रही हैं और टैंकर पहुंचते ही पानी के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट ने लोगों की दिनचर्या पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दी है। पीने के पानी से लेकर नहाने, खाना बनाने और घरेलू कामकाज तक के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि नगर निगम के नियमित जलापूर्ति के दावे धरातल पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। कई क्षेत्रों में टंकियां पूरी तरह नहीं भर पा रहीं, जिसके कारण सप्लाई लगातार प्रभावित हो रही है।

### घटता जलस्तर बना चिंता का कारण

शहर के प्रमुख जल स्रोत परियट जलाशय का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। इसी जलाशय से 13 पानी की टंकियों को भरा जाता है, लेकिन पानी कम होने के कारण टंकियां पूरी क्षमता से नहीं भर पा रही हैं। इसका सीधा असर रांझी, गोकलपुर, बिलपुरा, मानेगांव, मढ़ई सहित आसपास के इलाकों पर पड़ रहा है, जहां लोग कई दिनों से पानी की कमी झेल रहे हैं।

### न्यूनतम के करीब पहुंचा परियट का जलस्तर

परियट जलाशय का जलस्तर अपनी न्यूनतम सीमा के करीब पहुंच गया है। दरअसल जलाशय का अधिकतम जल स्तरः 1390 फीट, न्यूनतम जल स्तरः 1360 फीट है लेकिन वर्तमान में जल स्तरः 1363 फीट है।

### खंदारी क्षेत्र में भी बढ़ने लगी परेशानी

खंदारी जलाशय की स्थिति फिलहाल परियट जितनी गंभीर नहीं है, क्योंकि यहां बोरवेलों से कुछ राहत मिल रही है। इसके बावजूद जलस्तर लगातार गिरने से बिलहरी, कजरवारा, गोराबाजार, टेमरभीटा और तिलहरी जैसे क्षेत्रों में पानी की किल्लत बढ़ती जा रही है। यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो आने वाले दिनों में यहां भी स्थिति और गंभीर हो सकती है।

### खंदारी जलाशय की स्थिति

अधिकतम जल स्तरः 1454 फीट, न्यूनतम जल स्तरः 1421 फीट, वर्तमान जल स्तरः 1429 फीट है।

### बारिश पर टिकी उम्मीदें

जल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पर और अधिक दबाव बढ़ सकता है। दूसरी ओर नागरिकों की मांग है कि नगर निगम प्रभावित क्षेत्रों में नियमित टैंकरों की संख्या बढ़ाए और जल वितरण की वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करे। शहर की प्यास अब केवल नलों से नहीं, बल्कि आसमान से बरसने वाली बारिश से बुझने की उम्मीद लगाए बैठी है। जब तक मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं होता, तब तक जबलपुर के हजारों परिवारों की परेशानी कम होती नजर नहीं आ रही।

**अमृत भारत स्टेशन योजना, कवच प्रणाली एवं रखरखाव व्यवस्थाओं की प्रगति का लिया जायजा**

## पमरे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने कोटा व न्यू कोटा स्टेशन पुनर्विकास कार्यों एवं वैगन रिपेयर वर्कशॉप का किया निरीक्षण

**जबलपुर।** पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने अपने दो दिवसीय कोटा मंडल निरीक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कोटा रेलवे स्टेशन एवं न्यू कोटा स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत महाप्रबंधक कुलकर्णी सभागार में आयोजित एसएनटी कॉन्फ्रेंस में भी शामिल हुए। इसके पश्चात उन्होंने न्यू कोटा स्टेशन पहुंचकर यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ललित कुमार धुरंधर एवं योगेश कुमार मित्तल मुख्य परियोजना प्रबंधक सौरभ मिश्रा सहित मंडल के अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। इसके उपरांत महाप्रबंधक ने कोटा वैगन रिपेयर वर्कशॉप का निरीक्षण कर व्हील एवं सीटीआरबी शॉप, बोगी शॉप तथा बॉक्स शॉप की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य कार्यकारी प्रबंधक सुधीर सरवरिया, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस.डी. पाटीदार एवं प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर एकनाथ मोहकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक ने कोटा स्थित सिग्नल एवं दूरसंचार जीएसयू यूनिट में स्थापित उन्नत कवच फैट रूम का उद्घाटन किया तथा कवच प्रणाली की विश्वसनीयता एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने हेतु किए गए तकनीकी नवाचारों की सराहना की। महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने निरीक्षण के दौरान कोटा मंडल में चल रहे विकास कार्यों, सुरक्षा प्रणालियों तथा रखरखाव व्यवस्थाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी कार्यों को गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर बल दिया।

# 4 सड़क दुर्घटनाओं में 8 घायल

**जबलपुर।** खमरिया, पाटन, सिविल लाईन और रांझी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना की चार मामलें सामने आए हैं। इस दुर्घटना में 8 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार काछी मोहल्ला पिपरिया निवासी 45 वर्षीय आटो चालक सुनील पटेल अपने आटो क्रमांक एम.पी. 20 आर 8204 में गत दिवस खमरिया बाजार से तीन महिला सवारी को लेकर पिपरिया आ रहा था तभी खमरिया अस्पताल मोड़ के आगे इमली के पेड़ के पास सामने से आ रही कार चालक ने उसकी आटो में दाहिने तरफ टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गई, जिसमें बैठी एक महिला सवारी को ज्यादा चोट आने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं आटो चालक के पैर एवं कमर और कंधे में चोटे आई हैं। वहीं दो अन्य महिला सवारी को दूसरे वाहन से उनके घर पहुंचाया। इसी प्रकार ग्राम ग्वारी निवासी 35 वर्षीय सुनील चौधरी गत रात लगभग 9 बजे बाजार कर ग्राम सहसन से पैदल अपने घर ग्वारी जा रहा था राजुल ढाबा के पास स्कूल के चालक ने टक्कर मार दी और पाटन तरफ भाग गया। एक्सीडेंट से उसके बायें पैर में चोटे आयी है। घायल को शासकीय अस्पताल पाटन में भर्ती कराया है।

इसी तरह सिविल लाईन में रजा चौक गली नंबर 3 हनुमानताल निवासी 19 वर्षीय उमर सिद्धिकी देर रात सिविल लाईन से अधारताल अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एमयू 5388 से अपने साथी आफताब मंसूरी एवं फरहान खान के साथ जा रहा था, रात लगभग 1.45 बजे मालगौदाम चौक पहुँचे तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीजे 4138 के चालक ने उसकी मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे तीनों मोटर सायकल सहित गिर गये और तीनों घायल हो गए। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं रांझी में मानेगांव निवासी 48 वर्षीय इंद्रेश यादव शनिवार की सुबह लगभग 6 बजे अपनी बहू अमृता को लेने बड़ा पत्थर रांझी गया था जहां से अपनी बहू अमृता को बैठाकर जा रहा था बड़ा पत्थर फुहारा के पास सामने से आ रहा वाहन क्रमांक एमपी 20 एक्स डी 1742 के चालक ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी जिससे दोनों नीचे गिरकर घायल हो गए। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा धारा 281, 125 (ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

## रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए सहायक अभियंता राजेश सहाय निलंबित

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दमोह वृत्त के उत्तर संभाग अंतर्गत हटा उपसंभाग में पदस्थ सहायक अभियंता (संचालन एवं संधारण) राजेश कुमार सहाय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राजेश सहाय को 25 जून 2026 को लोकायुक्त सागर की टीम द्वारा रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। कंपनी प्रबंधन को अधीक्षण अभियंता (संचालन एवं संधारण), वृत्त दमोह से प्राप्त प्रतिवेदन एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। जारी आदेश के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान राजेश सहाय का मुख्यालय मुख्य अभियंता कार्यालय, शहडोल निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता और कदाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी के प्रति किसी प्रकार की रियायत नहीं बरती जाएगी। कंपनी का उद्देश्य पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करना है। प्रबंधन ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के प्रत्येक मामले में नियमानुसार त्वरित और कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि उपभोक्ताओं के बीच कंपनी की विश्वसनीयता और जवाबदेही बनी रहे।

## रेलवे स्टाफ की सतर्कता से 5 वर्षीय बालिका सकुशल परिजनों से मिली

**जबलपुर।** यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रेरणादायक उदाहरण पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल अंतर्गत कटनी रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला। ड्यूटी के दौरान उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) अभिषेक दुबे की सतर्कता, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई से अपने माता-पिता से बिछड़ी लगभग 5 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। स्टेशन निरीक्षण (राउंड) के दौरान श्री दुबे की नजर प्लेटफॉर्म पर रोती हुई एवं असहाय अवस्था में घूम रही बालिका पर पड़ी। उन्होंने बिना विलंब किए बालिका को अपने संरक्षण में लिया, स्टेशन प्रबंधकीय कार्यालय पहुंचाया तथा उसे पानी एवं बिस्किट उपलब्ध कराकर शांत कराया। इसके बाद बालिका से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्टेशन पर लगातार उद्घोषणा (अनाउंसमेंट) कराई गई। कुछ ही समय में बालिका के माता-पिता स्टेशन पहुंचे। आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। बालिका को सुरक्षित पाकर माता-पिता भावुक हो गए और उन्होंने रेलवे प्रशासन एवं स्टेशन स्टाफ के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता, संवेदनशीलता और मानवीय व्यवहार के कारण हमें हमारी बेटी सुरक्षित वापस मिल गई।

# भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर वृद्धजनों ने मनाई खुशियां

## निराश्रित वृद्ध आश्रम में भागवत कथा का आयोजन, व्यास पीठ से सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री के उदगार

हरिभूमि, जबलपुर।

निराश्रित वृद्ध आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का प्रसंग आया, पूरा आश्रम ₹नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की₹ के जयघोष से गूंज उठा। आश्रम में रह रहे वृद्धजन भजनों की मधुर धुन पर झूम उठे और नृत्य करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया।

### भक्तों की रक्षा हेतु भगवान लेते हैं अवतार

शिव मंदिर कचनार सिटी (बड़े शंकर जी) के मुख्य आचार्य एवं मां दक्षिणेश्वरी धाम के संस्थापक सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने व्यासपीठ से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराते हुए ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, समुद्र मंथन, वामन अवतार तथा भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्म प्रसंग का अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ते हैं, तब-तब भगवान अपने भक्तों की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। कंस के अत्याचारों से पीड़ित संसार को मुक्त कराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से भगवान का स्मरण करने वाले भक्तों की रक्षा स्वयं श्रीकृष्ण करते हैं और संकट की घड़ी में उनका संबल बनते हैं।

### आध्यात्मिक संबल का प्रयास

वृद्धाश्रम की अधीक्षक रेवेन्दु सिंह ने बताया कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं अनुमोदन से निराश्रित वृद्ध आश्रम में निःशुल्क श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के माध्यम से वृद्धजनों को आध्यात्मिक संबल प्रदान करने और उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का प्रयास किया जा रहा है।

### भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान पंडित अमित उपाध्याय एवं संजय उपाध्याय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न कराया। भजन गायक शरद तिवारी ने कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनके साथ शिवा विश्वकर्मा एवं नितिन ने भी मधुर भजनों से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया।

### यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर डॉ. सारिका झा, सेवानिवृत्त जेलर अभय वर्मा, पत्रकार सुनील सेन, प्रीति श्रीवास्तव, संध्या चतुर्वेदी, अंजना शुक्ला, उर्मिला पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### लड्डू, माखन-मिश्री और हरीरा का लगा भोग

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भगवान को गुड़ के लड्डू, हरीरा, माखन-मिश्री, खीर और विभिन्न फलों का भोग अर्पित किया गया। आरती एवं पूजन के पश्चात प्रसाद सभी वृद्धजनों और श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। भक्ति, सेवा और आत्मीयता से परिपूर्ण इस आयोजन ने वृद्धाश्रम के निवासियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और जन्माष्टमी उत्सव को अविस्मरणीय बना दिया।

# प्राचीन जल स्रोतों के संरक्षण में समाज की भागीदारी आवश्यकः रश्मि अग्निहोत्री

## जन सहभागिता से बावड़ी का कायाकल्प

**सिहोरा।** निकटवर्ती गोसलपुर के जुझारी ग्राम में स्थित प्राचीन बावड़ी जो की बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी थी जिसका जनसेवा समिति के अध्यक्ष हेमचंद असाटी ने जन सहभागिता के माध्यम से साफ सफाई रंग रोगन गहरीकरण का काम कराया इस कायाकल्प के पश्चात मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ब्लाक के जुझारी गांव के हनुमान मंदिर मे जल चौपाल,बाबडी पूजन पौधारोपण का कार्यक्रम हनुमान मंदिर में जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री,जनपद सदस्य अनिल चौधरी,धर्मेंद्र सिंह राजपूत,सहित अनेक जनप्रतिनिधियों महिलाओं और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष श्रीमती अग्निहोत्री ने जल चौपाल को संबोधित करते हुए कहा की जल है तो कल है। हर व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या में जल बचाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने सामुदायिक सहभागिता से जल स्रोतों को बचाने पर जोर दिया। पौराणिक गौ सेवालय के आशु महाराज ने जल को देवतुल्य बताते हुए कहा की नदियों बावड़ियों तालाबो का संरक्षण हमारी संस्कृति और धार्मिक कर्तव्य का हिस्सा भी है। इस अवसर पर अनिल जैन, ममता चौबे, नर्मदा दुबे, नरेंद्र चौबे, दीपक पटेल, महेंद्र सिंह, दीपक तिवारी, अमित परिहार, राज पटेल,कपिल गर्ग, जितेंद्र चौधरी, संजू चौधरी, नरेश तंतुवाय, श्याम सिंह लोधी,राजा दुबे, सल्लू यादव, सरोज पटेल,उषा गोस्वामी, अनीता, यादव, संदीप पटेल, घनश्याम कोरी, रवि सेन, अर्पित चौबे, लायक खान, रामसिह नेता उपस्थित रहे।

# पहाड़ी खेड़ा में पानी का हाहाकारः पूरे गाँव में एकमात्र हैंडपंप भी 8 दिनों से खराब, ज़िम्मेदार बेखबर

**बरेला ।** ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट थामने के सरकारी दावे ज़मीनी स्तर पर कितने खोखले हैं, इसकी बानगी ग्राम पंचायत पहाड़ी खेड़ा में देखने को मिल रही है। पूरे गाँव में पानी का एकमात्र सहारा रहा हैंडपंप पिछले 8 दिनों से बंद पड़ा है, जिससे गाँव में पानी के लिए भयानक तबाही का मंज़र है। भीषण गर्मी और उमस के बीच ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, लेकिन ज़िम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने बैठे हैं।

### सरपंच ने जताई नाराज़गी, पीएचई विभाग पर लापरवाही के आरोप

मामले को लेकर ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष पटेल ने भारी आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि गाँव का एकमात्र हैंडपंप बीते 8 दिनों से पूरी तरह खराब है। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) को कई बार लिखित और मौखिक सूचना दी जा चुकी है, लेकिन विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। अधिकारियों की इस बेरुखी के कारण पूरे गाँव में पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

### मजबूरन दूर-दराज से पानी ला रहे ग्रामीण

गाँव में दूसरा कोई साधन न होने के कारण ग्रामीणों को भीषण धूप में कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने पर मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है किः घर के रोज़मर्रा के काम ठप पड़े हैं। मवेशियों को पिलाने के लिए भी पानी नसीब नहीं हो रहा है। शिकायत के बाद भी कोई सुध लेने नहीं आया, जिससे लोगों में प्रशासन के खिलाफ भारी गुस्सा है।

**प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को किया जागरूक**

# अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**जबलपुर।** अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर 26 जून को भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग जबलपुर एवं शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के तत्वावधान में गौतम आईएएस एकेडमी में प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के बीच नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम के संचालक साइकोलॉजिस्ट मुकेश कुमार सेन ने विद्यार्थियों को मादक द्रव्यों से होने वाली मानसिक बीमारियों के विषय में बताया, उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने बताया मादक द्रव्यों का नशा केवल व्यक्ति को ही बीमार नहीं करता, बल्कि पूरा परिवार और राष्ट्र एक बड़ी समस्या से ग्रस्त हो जाता है, आज जिस तेजी से आधुनिक जीवनशैली हमारे जीवन का हिस्सा बन रही है, हम टेक्नोलॉजी और अन्य मशीनरी संसाधनों पर निर्भर होते जा रहे हैं उससे हमारे जीवन में तनाव भी तेजी से बढ़ता जा रहा है जिससे कई युवा तनाव ग्रस्त होकर मादक द्रव्यों का सेवन करने लगते हैं, इसलिए आज हमारे समाज को नशे के प्रति अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है ताकि नशा को जो एक बुराई मानने की मानसिकता है उसे दूर किया जा सके। शराब, गांजा, अफीम अन्य मादक द्रव्यों का सेवन कोई बुराई नहीं, बल्कि एक मानसिक बीमारी है और मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, नशा मुक्ति पुनर्वास द्वारा नशे से पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकता है। साथ ही अमित चौबे ने विद्यार्थियों को तनाव को कम करने स्ट्रेस मैनेजमेंट की टिप्स दी और योग, ध्यान एवं अच्छे साहित्य के अध्ययन के लिए बताया। अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा की और बिना तनाव के प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी का संकल्प लिया। इस अवसर पर गौतम आईएएस एकेडमी के शिक्षक सिद्धार्थ गौतम, अमित चौबे की उपस्थिति रही।

# दादा ईश्वरदास रोहाणी की 80वीं जयंती पर आज से चार दिवसीय जनसेवा, खेल और सम्मान समारोह

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं जबलपुर के विकास पुरुष के रूप में विख्यात स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी की 80वीं जयंती के अवसर पर दादा रोहाणी सेवा समिति 28 जून से 1 जुलाई तक चार दिवसीय सामाजिक, खेल, स्वास्थ्य एवं जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इस दौरान फिटनेस रन, विशाल रक्तदान शिविर, रोजगार मेला, श्रद्धांजलि कार्यक्रम और गौरव शिखर सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

दादा रोहाणी सेवा समिति के अनुसार कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी के सेवा, समर्पण, राष्ट्रभक्ति एवं जनकल्याण के आदर्शों को समाज तक पहुंचाना तथा युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रमों की शुरुआत 28 जून (रविवार) को सुबह 6 बजे ₹दादा लीजेंडरी रन उत्सव-2026₹ से होगी। शिवाजी ग्राउंड, सदर से शुरू होने वाली यह रन सदर मेन रोड, भारत माता चौक (पेंटीनाका), सृजन चौक और माल रोड से होकर पुनः शिवाजी ग्राउंड पहुंचेगी। इसमें बड़ी संख्या में युवा, खिलाड़ी, सामाजिक संगठन और नागरिक भाग लेंगे। 29 जून (सोमवार) को पीएम श्री महाकौशल महाविद्यालय, सिविल लाइंस में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर एवं रोजगार मेले का आयोजन होगा। मेडिकल कॉलेज, विक्टोरिया अस्पताल और रानी दुर्गावती चिकित्सालय के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियां युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

30 जून (मंगलवार) को सुबह 6 बजे अंपायर चौक स्थित दादा ईश्वरदास रोहाणी पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम होगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और नागरिक श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

चार दिवसीय आयोजन का समापन 1 जुलाई (बुधवार) को मानस भवन, राइट टाउन में ₹गौरव शिखर सम्मान समारोह₹ के साथ होगा। समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा, खेल, संस्कृति, उद्योग, साहित्य, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है।

समिति ने शहरवासियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, व्यापारिक संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं, खिलाड़ियों, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों से सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

### श्री जगन्नाथ देव स्नान कल

**जबलपुर ।** सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन , सिटी बंगाली क्लब, जबलपुर के तत्वावधान में सोमवार, 29 जून 2026 को भगवान श्री जगन्नाथ देव की देव स्नान यात्रा (स्नान पूर्णिमा) का भव्य आयोजन सिटी बंगाली क्लब परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्णिमा पूजा प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ होगी। इसके पश्चात सायं 6:30 बजे भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का पवित्र देव स्नान संपन्न होगा। इस अवसर पर भगवान को भक्तजनों द्वारा छप्पन (56) भोग अर्पित किए जाएंगे। धार्मिक आयोजन के उपरांत रात्रि 8:00 बजे से डॉ. शिप्रा सुलेरे एवं उनके समूह द्वारा संकीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए स्वादिष्ट प्रसादम का वितरण किया जाएगा। इसी अवसर पर जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री संदीप जैन का बंगाली समाज की ओर से अभिनंदन एवं सम्मान भी किया जाएगा। संस्था के सचिव श्री प्रकाश साहा ने बताया कि इस पावन आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों के शामिल होने की अपेक्षा है। संस्था के पदाधिकारियों ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

# सांदीपनि विद्यालय की नींव ने तैयार की अग्नि वीरों की फौज

**सिहोरा।** शहर का गौरव माने जाने वाले सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक और ऐतिहासिक तय उपलब्धि हासिल की है विद्यालय में अध्ययन कर चुके 12 विद्यार्थियों का एक साथ चयन अग्नि वीर के लिए हुआ है जिसमें विद्यालय से राष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके अमित गडारी साथ ही अतुल कोल, संजय यादव, दीपक कुशवाहा,साहिल कुशवाहा, निखिल पटेल, अनुज यादव, नारायण पटेल, हरिराम लोधी,अभिषेक रजक,रोहित खगार और सौरभ पटेल उक्त समस्त विद्यार्थियों के चयन में खेल शिक्षक अशोक राय का मार्गदर्शन फिजिकल टेस्ट की तैयारी में होता रहा है। चयनित सभी विद्यार्थियों ने लिखित परीक्षा में भी यह अच्छे अंक हासिल कर विद्यालय का मान बढ़ाया है इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य अशोक उपाध्याय ने सभी को डॉक्यूमेंटेशन में बड़ी सहजता के साथ और हर कदम पर मदद के लिए तैयार रहने की बात के साथ उन्नति के मार्ग पर और देश सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं । प्राचार्य उपाध्याय,खेल शिक्षक अशोक राय एवं सुधा उपाध्याय ने ग्राम भिटौनी जाकर अमित गड़ारी का शाल पहनाकर सम्मान किया।

### राजपूत सभा ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती मनाई

**जबलपुर।** राजपूत सभा जबलपुर के द्वारा सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 860वीं जयंती शैलपर्ण उद्यान नागपुर रोड जबलपुर में प्रतिमा स्थल परिसर में मनाई गई जिसमें राजपूत सभा जबलपुर के सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने समाज के युवा सदस्यों से पृथ्वीराज चौहान के पदचिन्हों पर चलकर देश और समाज की सेवा का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर राजपूत समाज से दीपक कौशिक, धनराज सिंह, आनंद कौशिक, प्रशांत सिंह, गोलू सिंह, रोहित सिंह राजपूत, विजय सिंह बैस, दीपक सिंह राजपूत, जितेंद्र सिंह भाटी, राजेश ठाकुर, अजय राजपूत आदि उपस्थित थे।

### निधन

**श्रीमती सुमन शुक्ला-** नया वार्ड 76 इमलिया निवासी श्री दिनेश दत्त शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन शुक्ला का 70 वर्ष की आयु में 27 जून शनिवार को निधन हो गया। आप संदीप शुक्ला, प्रवीण शुक्ला की माताजी थीं। अंतिम संस्कार इमलिया मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री मिट्ठू लाल खरे :** ब्रह्मणपुरा वार्ड नं 8 निवासी श्री मिट्ठू लाल खरे का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे नारायण प्रसाद,अखिलेश,ब्रजेश खरे के पिता थे।

**श्रीमती सुक्को बाई-** भानतलैया बकरा मार्केट के पास निवासी श्री काशीराम खटीक की धर्मपत्नी श्रीमती सुक्को बाई (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती निर्मला-** केंट छावनी कटंगा नर्मदा रोड निवासी श्री रामनाथ की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सुदामा बाई साहू-** राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री नत्थू लाल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती सुदामा बाई साहू (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती तुलसा देवी तिवारी-** श्रीराम नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री पुरूषोत्तम लाल तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती तुलसा देवी तिवारी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राम खिलावन कोरी-** चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राम खिलावन कोरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्री विकास बेन-** पुराना शोभापुर पनेहरा पेट्रोल पंप के पीछे जीसीएफ निवासी श्री राजू बेन के पुत्र श्री विकास बेन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती रामकली गौंड़-** फकीरचंद का अखड़ा राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मोहन गौंड़ की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली गौंड़ (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती तारा बाई बर्मन-** लियो कम्पाउंड सदर निवासी श्री झलकन बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई बर्मन (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती कमला देवी जुरयानी-** नारायण चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी स्व. श्री अंशीराम जुरयानी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी जुरयानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती पार्वती बाई दाहिया-** साहू मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री स्वामीदीन दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई दाहिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती उषा-** राजीव नगर कटंगा निवासी श्री जय गोपाल की धर्मपत्नी श्रीमती उषा (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती शीला बाई-** कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री सुखलाल डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती शीला बाई (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्री दिनेश कुमार सोनी-** अमखेरा मालगुजार परिसर के पास निवासी श्री दिनेश कुमार सोनी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती स्नेहा-** हनुमानताल निवासी श्री नकुल मराठा की धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहा (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्री राजू कोरी-** तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री विजय कोरी के पुत्र श्री राजू कोरी (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**नाम परिवर्तन सूचना**

मैं, ऋषभ सिंह (Rishabh Singh) पिता रामेश्वर सिंह निवासी म.नं. 530, गुरुद्वारा के पास, बिलहरी, रानी लक्ष्मी बाई वार्ड जिला जबलपुर म.प्र. - 482007 शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि :- 1. यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ । 2. यह कि मेरे विद्यालय के रिकॉर्ड में मेरा नाम ऋषभ सिंह राजपूत (Rishabh Singh Rajput) दर्ज है। 3. यह कि मेरा परिवर्तित नाम ऋषभ सिंह (Rishabh Singh) है, जो कि मेरे आधार कार्ड नं. 5591 1173 9717 में दर्ज है । 4. यह कि ऋषभ सिंह राजपूत (Rishabh Singh Rajput) एवं ऋषभ सिंह (Rishabh Singh) दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मुझ शपथकर्ता के नाम हैं । 5. यह कि मुझे भविष्य में मेरा नाम ऋषभ सिंह (Rishabh Singh) पढ़ा लिखा व मान्य किया जावे। 6. यह कि मेरे नाम सुधार सूचना प्रकाशित किये जाने बावत यह शपथपत्र पेश है ।

पूर्व नाम :- ऋषभ सिंह राजपूत
(Rishabh Singh Rajput)
परिवर्तित नाम :- ऋषभ सिंह
(Rishabh Singh)

**नाम सुधार सूचना**

मैं गजेंद्र पारासर उम्र 42 वर्ष s/o श्री हरिशंकर पारासर मेरी 10 वीं की अंकसूची में मेरा नाम गजेंद्र कुमार पारासर s/o श्री हरिशंकर पारासर लिखा हुआ है। जो बदल कर गजेंद्र पारासर कर लिया है। जो कि मेरे पेन कार्ड ,आधार कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है। अतः मुझे मेरे नए नाम गजेंद्र पारासर से जाना जाए।

नया नाम-गजेंद्र पारासर
पुराना नाम -गजेंद्र कुमार पारासर
पता मकान नंबर 16, फेस 2,गोकुलधाम रेसीडेंसी, न्यू रामनगर, आमखेरा, अधारताल,जबलपुर

**CHANGE OF NAME**

I, ARMY NO. JC-734531W RANK SUB NAME BHOSALE NITIN BHAGWAN S/O LATE BHOSALE BHAGWAN MAHATU OF UNIT 506, ARMY BASE WKSP, RANJHI, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 4399 3328 2963 I have changed name of my DAUGHTER, from SIDDHI BHOSALE (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to BHOSALE SIDDHI NITIN (name as per my DAUGHTER AADHAR CARD NO. 9522 9320 4258 AND EDUCATION CERTIFICATE) vide affidavit dated 27/06/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
BHOSALE SIDDHI NITIN
INCORRECT NAME
SIDDHI BHOSALE

**सम्मानित व्यापारी बंधुओं**

हम विध्य चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की नवीन कार्यकारिणी हेतु मतदान करने जा रहे हैं। मैं मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष पद हेतु आपसे करबद्ध निवेदन करता हूँ की मेरे साथ मनोज कटारे महामंत्री पद हेतु, कैलाश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु, अभिषेक जैन कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु, मनोज अरोड़ा मंत्री पद हेतु, रोहित अग्रवाल कोषमंत्री पद हेतु एवं कमल पुरुस्वानी कोषाध्यक्ष पद हेतु आपकी सेवा के लिए तत्पर हैं। आप सभी जानते हैं कि हमारी पूरी टीम एक अनुभवी टीम है, जिसने आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक एवं व्यावहारिक संस्थाओं में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है आपके सहयोग से हमें सदैव सफलता मिली है।मैंने अपने जीवन में हमेशा यही प्रयास किया है कि सबको साथ लेकर चलूं और "मैं नही हम" की भावना के साथ कार्य करूंगा हम संकल्प करते हैं कि आप हम पर भरोसा कर यह जवाबदारी हमें सौंपें हम आपका भरोसा कायम रखेंगे । हमने अपना संकल्प पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत किया है । यदि आपके और भी कोई सुझाव होंगे तो उन सुझावों को साथ लेकर, सभी सहयोगी संस्थाओं को साथ मिल कर एवं बुजुर्गों के द्वारा बनाई गई संस्था का गौरव पुनः स्थापित करेंगे हम चेंबर को नई दिशा, नई गति प्रदान करेंगे।मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं और मेरी पूरी टीम विध्य चैम्बर ऑफ कॉमर्स को नवीन ऊंचाइयों पर ले जाने का भरसक प्रयत्न करेगी। यह पद नहीं, जवाबदारी है। हमारा संकल्प है - संवाद, समन्वय और सहयोग से मिलकर, कंधे से कंधा मिलाकर, हर व्यापारी भाई की आवाज बनेंगे हम चेंबर को व्यापार के समाधान का मंच बनाएंगे।आपका सहयोग, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हमें सदैव मिलता रहे, यही हमारी कामना है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ की हमारी टीम को चुनकर हमारी जवाबदारी सौंपे हम सेवा के लिए संकल्पित है।

आइये मैं नही हम के भाव साथ सपना के व्यापार एवं विकास को नई ऋती दे

आपका अपना मनोहर डिगवानी अध्यक्ष पद प्रत्याशी

# मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

## 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश
## अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

### क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

### रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

### छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

### क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

### एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

### निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

### निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

# निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

### ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

### इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

### बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

### 10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

### क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

### क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

**पहले वैल्यूएशन आकर्षक था :** विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

# नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

## ● छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड ● 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी ● 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

### क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

### नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

### क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

### फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

### क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

### वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

### 25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

| एसआईपी | कुल निवेश | |
|---|---|---|
| नॉर्मल | 30 लाख रु. | 2.27 करोड़ रु. |
| फिक्स्ड टॉप-अप | 66 लाख रु. | 3.44 करोड़ रु. |
| वैरिएबल | 1.18 करोड़ रु | 4.46 करोड़ रु |

### निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

**अलर्ट** सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

**सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत**

# 1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

### 1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

### 3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

### 5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

### सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

### सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

### किसके लिए कौन-सी एफडी?

**1 साल की एफडी**
- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

**3 साल की एफडी**
- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

**5 साल की एफडी**
- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

### निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

**हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

**विश्लेषण**

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

**विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।**

**खास बातें**

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

## नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मुनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

## दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

## जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

## अवैध निर्माण वैध करना गलत

जुर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

# शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

**हादसा**

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं-यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है । देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

**देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।**

# भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

**विरोधाभास**

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारी के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे होते हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड़ांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाणन का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिरामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाते समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी विशेषता बना रहे हैं-'उत्तर मुखी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माण को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्नि निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान घिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाना होगा। भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्जवल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें।

अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

**आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।**

# बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

**व्यवस्था**

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

**हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो**

## वेनेजुएला में भूकंप के फिर लगे झटके

# 51 हजार से ज्यादा लापता, अब तक 920 मौतें, 3300 घायल

*करकस। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में लगातार आफत जारी है। 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी करकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।*

### अगले 72 घंटे हैं अहम

राहत और बचावकर्मियों द्वारा युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इन्होंने बताया कि मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए 42 से 72 घंटे बहुत अहम होते हैं। इस आपदा के बाद वेनेजुएला में अंतरराष्ट्रीय राहत और बचाव दल भी पहुंचना शुरू हो गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

## खबर संक्षेप

### गाजा पर मोदी सरकार क्यों है चुप : सोनिया

**नई दिल्ली।** कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने गाजा के मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार की 'निरंतर चुप्पी' पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि भारत को फलस्तीनियों के समर्थन में स्पष्ट और मुखर रुख अपनाना चाहिए तथा गाजा और वेस्ट बैंक में हो रही घटनाओं पर वैश्विक जनमत के अनुरूप प्रतिक्रिया देनी चाहिए। गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक के लिये लिखे लेख में संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि गाजा में बच्चों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और वहां की मानवीय स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है।

### स्टालिन को लगा झटका एमडीएमके ने छोड़ा साथ

**चेन्नई।** तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में स्टालिन की डीएमके को एक और झटका लगा है। एमडीएमके ने औपचारिक रूप से डीएमके के साथ अपना नौ साल पुराना गठबंधन समाप्त कर दिया है। हालांकि उसने सत्तारूढ़ टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह निर्णय पार्टी की आम सभा की बैठक में लिया गया। अपने प्रस्तावों में एमडीएमके ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की सरकार का स्वागत किया और उससे प्रमुख चुनावी वादों पर अडिग रहने का आग्रह किया। जिसमें भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन बनाए रखना और मेकेदातु बांध परियोजना जैसे मुद्दों पर तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा करना शामिल है। प्रस्तावों में टीवीके गठबंधन में शामिल होने का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया।

## मिडिल ईस्ट में तनाव, ईरान ने भी किया बहरीन पर अटैक

# युद्धविराम पर फिर मंडराया संकट, अमेरिका ने ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों पर किए हमले

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

*अमेरिका और ईरान के बीच जंग की चिंगारी फिर भड़कने लगी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे कार्गो शिप पर ईरानी हमले से ट्रंप प्रशासन बौखला गया है। ताजा कार्रवाई में अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया। इधर, अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने भी शनिवार को बहरीन में ड्रोन अटैक और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला किया।*

अमेरिका ने ईरान पर शुक्रवार को करीब एक घंटे तक हमले किए। इस दौरान अमेरिकी सेना ने उसके मिसाइल और ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा है और इसलिए उस ये जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिका ने यह कार्रवाई तब की है, जब तेहरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक कमर्शियल कार्गो शिप पर हमला किया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में एक नाजुक समझौता हुआ था और इस हमले के बाद दोनों के बीच फिर से तनाव दिख रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'हिंसा का जवाब हिंसा से मिलेगा।' जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरान ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और अमेरिका ने उसका पूरी तरह सम्मान किया। अगर समझौते (एमओयू) को लेकर किसी तरह का विवाद है तो बातचीत का रास्ता अपनाया जाना चाहिए, लेकिन अगर हिंसा का सहारा लिया गया तो उसका जवाब भी उसी भाषा में दिया जाएगा। वेंस ने कहा, 'अगर किसी बात से दिक्कत है तो आपके पास फोन है। लेकिन अगर हिंसा करोगे तो हिंसा का जवाब हिंसा से ही मिलेगा।'

### अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमला

अमेरिकी हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी अमेरिकी हमलों का जवाब देते हुए इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर अटैक किया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी ठिकानों पर ये हमले तब हुए जब आईआरजीसीने वॉशिंगटन को धमकी दी कि पहले हुए हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा और तेहरान इसका निर्णायक जवाब देगा।

### ट्रंप ने होर्मुज में कार्गो शिप पर हमले के जवाब में किया पलटवार

### स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर दुनिया फिर चिंतित

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बिजी समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक है। यहां पर इन दोनों देशों में एक बार फिर सीजफायर खत्म होते देख दुनिया की चिंता बढ़ना स्वभाविक है। यहां से दुनिया के बड़े हिस्से को कच्चे तेल और गैस की सप्लाई होती है। इस क्षेत्र से सप्लाई सामान्य होने पर जीवाश्म ईंधन की कीमतें भी सामान्य रहती हैं लेकिन यह मार्ग डिस्टर्ब होने से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था और तेल की कीमतें प्रभावित होती है। दुनिया की कुल मांग का 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते से पास होता है।

### ईरान ने बनाया बहरीन पर निशाना

*अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने शनिवार को बहरीन को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमला किया, जबकि दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला हुआ। बहरीन पर ईरान का हमला संयोग नहीं माना जा रहा है। बहरीन ईरान के सबसे मुखर आलोचकों में से एक है और वहां अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय भी स्थित है। हाल ही में बहरीन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी की थी, जहां खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी।*

## हैदराबाद में ट्रंप के नाम पर सड़क, भारत आएंगे अमेरिका के राष्ट्रपति!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के संबंधों में उतार चढ़ाव के बीच तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर एक सड़क का नाम रखा गया है। अपने नाम पर सड़क बनाए जाने को ट्रंप ने अनोखा पल बताया है और इसके लिए लिए भारत का आभार जताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उद्घाटन समारोह की तस्वीर शेयर करते हुए इसे अभूतपूर्व सम्मान बताया। बता दें, कुछ दिन पहले तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास वाली सड़क का नाम बदलकर 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा है। सरकार का कहना है कि इसका मुख्य उद्देश्य भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूत करने में हैदराबाद की भूमिका को आगे लाना है।

### यहां पर है यह सड़क

यह सड़क नानकरामगुड़ा के फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, जहां कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय टेक कंपनियों के दफ्तर भी काम कर रहे हैं। इस सड़क के नाम की पट्टी (नेमप्लेट) का उद्घाटन इसी हफ्ते एक कार्यक्रम में किया गया था। इस मौके पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर सहित तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल, यह पूरा आयोजन अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के जश्न से जुड़ा था।

### अगले साल भारत आएंगे ट्रंप!

*ट्रंप अगले साल 2027 की शुरुआत में भारत दौरे पर आ सकते हैं। यह संकेत अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिए हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं, इस दिशा में काम भी कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा तय हो सके। यह बहुत सकारात्मक कदम है। भारत वर्तमान में अमेरिका का बेहद करीबी बिजनेस पार्टनर और सहयोगी है। इस यात्रा से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के संबंध घनिष्ठ हो सकते हैं। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है।*

## पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप, यूएन से हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेयर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलाकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की।

### पीओके पीएम की पाक रक्षा मंत्री को दो टूक

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट और मीरपुर के निवासी असली कश्मीरी नहीं हैं। उनके इस बयान की पीओके के पीएम फैसल मुमताज राठौर ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी पहचान के लिए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ या किसी और से पुष्टि की जरूरत नहीं है।

## हीरा खनन की तैयारी, बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में बड़े व्यास की ड्रिलिंग को एनसीएल बोर्ड की मंजूरी

*हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन किया जाएगा*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज डायमीटर ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

### छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक : सौरभ

बैठक में यह भी दोहराया गया कि सभी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष निदेशक सौरभ सिंह ने कहा, खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। बलौदा-बेलमुंडी की हीरा परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख हीरा उत्पादक राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

### बहु-खनिज विकास की दिशा आगे बढ़ी

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है।

## विदेश मंत्रालय ने जारी की ई-नीलामी, चलेगी 30 जून तक

# रोलेक्स घड़ी, चांदी के खंजर, 300 तोहफे होंगे नीलाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने तोशाखाना में सुरक्षित विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भारत सरकार के अधिकारियों और प्रतिनिधियों को भेंट किए गए करीब 300 उपहारों की ई-नीलामी जारी की है। बता दें कि इस नीलामी में लग्जरी घड़ियों, आभूषणों, स्मृति चिन्हों, सजावटी वस्तुओं और अन्य दुर्लभ उपहारों को शामिल किया गया है।

ई-नीलामी आठ जून से शुरू हुई थी और 30 जून तक चलेगी। तोशाखाना वह आधिकारिक भंडार है, जहां विदेश यात्राओं या भारत में विदेशी प्रतिनिधियों से सरकारी अधिकारियों को प्राप्त उपहार सुरक्षित रखे जाते हैं। संशोधित तोशाखाना नियम, 2024 के तहत पहली बार इन उपहारों की सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित की जा रही है। इसमें केवल भारत के निवासी नागरिक पंजीकरण कर बोली लगा सकते हैं और खरीदी गई वस्तुओं की डिलीवरी भी देश के भीतर ही की जाएगी।

### तोशाखाना में विदेशी मेहमानों से मिले हैं करीब 300 से ज्यादा उपहार

**अल अरबाश ब्रांड का एक शानदार आभूषण सेट :** नीलामी में कुवैत के प्रसिद्ध अल अरबाश ब्रांड का एक शानदार आभूषण सेट भी शामिल है। करीब 9.52 लाख रुपये की आधार कीमत वाले इस सेट में नेकलेस, ब्रेसलेट और ईयररिंग्स शामिल हैं। यह ब्रांड पारंपरिक शिल्पकला और पारिवारिक विरासत के लिए जाना जाता है।

### नीलामी में रोलैक्स की यॉट मास्टर-2 घड़ी

नीलामी में सबसे आकर्षक वस्तुओं में लग्जरी ब्रांड रोलैक्स की यॉट मास्टर-2 घड़ी शामिल है, जिसकी शुरुआती बोली 16.52 लाख रुपये रखी गई है। इसके अलावा कार्टियर की प्रतिष्ठित सैंटोस ड्यूमोंट श्रृंखला की घड़ी भी नीलामी का हिस्सा है, जिसकी आधार कीमत 5.02 लाख रुपये निर्धारित की गई है। पोर्टल पर इस घड़ी को आधुनिक तकनीक और कालातीत डिजाइन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया है।

### प्राचीन चांदी के सिगरेट बॉक्स की कीमत 12,030 रुपये

*इसके अलावा प्राचीन चांदी का सिगरेट बॉक्स भी बोली के लिए उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती कीमत 12,030 रुपये रखी गई है। इस दुर्लभ वस्तु के ढक्कन पर हाथ से उकेरी गई कलात्मक आकृतियां हैं, जबकि इसका भीतरी हिस्सा अब भी चमकदार चांदी की गुणवत्ता को दर्शाता है। इसे उत्कृष्ट धातु शिल्पकला का नमूना बताया गया है। ई-नीलामी पोर्टल पर प्रत्येक वस्तु के साथ उसका संक्षिप्त विवरण और पृष्ठभूमि भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि जो भी इसे खरीदना चाहता है वो उसकी विशेषताओं और महत्व को समझ सकें। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि नीलामी में शामिल अधिकांश वस्तुएं विरासत, स्मृति, सजावट, संग्रहणीय या औपचारिक महत्व की हैं और जरूरी नहीं कि उनका व्यावसायिक या दैनिक उपयोग हो।*

## 15 साल पुरानी कार में सेफ्टी सिस्टम अचानक हुआ एक्टिव

# खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

एजेंसी ▶▶ ठाणे।

महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के युवक मौत हो गई। युवक एक कार डीलर था। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया।

एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से युवक को गंभीर चोटें आईं और मेडिकल मदद मिलने से पहले ही ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

### एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज

ठाणे पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि कार भले ही पुरानी थी, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उसके पास वैलिड फिटनेस सर्टिफिकेट था। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच के लिए ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स से भी सलाह ले रही है। एयरबैग खुलने की स्पीड 200 से 300 किमी/घंटा के बीच हो सकती है। इस वजह से तेज झटका लगता है। इससे बचने के लिए सीट बेल्ट लगाना जरूरी होता है। सीट बेल्ट ना लगाने की स्थिति में जोरदार झटका लगने से गंभीर चोट लग सकती है या मौत भी हो सकती है।

## कमल हासन ने बताया अंडरवर्ल्ड और काले धन का कड़वा सच...

**मुंबई।** फिल्म निर्माता कमल हासन ने साल 2017 में एक इवेंट में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड से दूरी क्यों बनाई। उस इवेंट में उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते और काले धन का खेल उन्हें बहुत असहज करता था। उन्होंने अपने शब्दों में कहा था, 'मैं वहां नहीं रुकना चाहता था, या तो उससे लड़ूं या फिर डर के आगे झुक जाऊं।' कमल ने बताया कि काले धन से दूर रहने का यह फैसला उन्होंने बहुत पहले अपने भाई के साथ मिलकर लिया था। उन्हें यह प्रेरणा सिनेमैटोग्राफर विंसेंट से मिली थी। 1980 के दशक में 'एक दूजे के लिए' और 'सागर' जैसी हिट फिल्में देने के बाद भी, इसी फैसले की वजह से उन्होंने बॉलीवुड के बजाय ज्यादातर तमिल सिनेमा में अपना करियर बनाया।

## लाइफ Style

# दीपिका

### पहले फराह की सलाह ने बदली राह

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार दीपिका पादुकोण ने साल 2007 में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' से हिंदी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की थी। फराह खान के निर्देशन में बनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में शाहरुख और दीपिका दोनों ही दोहरे किरदारों (डबल रोल) में नजर आए थे।

हाल ही में रिलीज हुए अपने एक नए कुकिंग व्लॉग में फराह खान ने बताया कि उन्होंने अपनी खोज यानी दीपिका पादुकोण को उनकी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' के सेट पर उतारने से पहले कितनी कड़ी तैयारी करवाई थी। फराह खान ने बताया कि उन्होंने दीपिका को सीधे कैमरे के सामने खड़ा नहीं किया था। फराह ने कहा, मैंने दीपिका को लॉन्च करने से पहले उसका बहुत ख्याल रखा। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने उसे करीब 3-4 महीनों के लिए अनुपम खेर की एक्टिंग क्लास में भेजा, ताकि वह अभिनय की बारीकियां सीख सके। इसके बाद उसकी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर करने के लिए मैंने उसे कथक डांस की क्लास जॉइन करवाई। हमने फिल्म के किरदारों के लिए उसके कई अलग-अलग लुक टेस्ट भी किए थे। फराह ने आगे एक बेहद दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, "जब फिल्म की मुख्य शूटिंग शुरू हुई, तो मैंने पहले 10 दिनों तक दीपिका का कोई भी सीन शूट नहीं किया। मैंने उससे साफ कह दिया था कि तुम पहले 10 दिन बस सेट पर आओगी और वहां चुपचाप बैठकर देखोगी कि शाहरुख खान कैसे काम करते हैं और श्रेयस तलपड़े किस तरह दृश्यों को जीवंत बनाते हैं।

## हॉलीवुड मसाला

### हाउस ऑफ द ड्रैगन का जलवा बरकरार

**लॉस एंजिल्स।** 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के तीसरे सीजन की शुरुआत धमाकेदार रही है। इसे पहले 3 दिनों में 2.15 करोड़ लोगों ने देखा है। यह संख्या पिछले सीजन के शुरुआती एपिसोड के 2.34 करोड़ व्यूअर्स से थोड़ी कम जरूर है। इसके बावजूद, शो की पकड़ दर्शकों पर बनी हुई है और अब निर्माताओं के चौथे और आखिरी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीजन 1 बना हुआ है सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च- शो का सीजन 1 आज भी सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च माना जाता है। इसने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के खत्म होने के बाद एचबीओ के लिए कई नए रिकॉर्ड बनाए थे।

### फिल्म 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान...

**लॉस एंजिल्स।** हॉलीवुड निर्देशक चार्ली बीन की एनिमेटेड फिल्म 'डोंकी' से जुड़ा सबसे बड़ा अपडेट आ गया है। एनिमेशन फिल्में बनाने वाले ड्रीमवर्क्स एनिमेशन ने यूनिवर्सल पिक्चर्स के साथ मिलकर फिल्म की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया। यह चर्चित एनिमेटेड फिल्म 'श्रेक' (2001) फ्रैंचाइजी की एक स्पिन-ऑफ होगी, जो श्रेक के मजेदार और बड़बोले दोस्त डोंकी की शुरुआती कहानी को दिखाएगी। मशहूर अभिनेता एडी मर्फी एक बार फिर 'डोंकी' के किरदार को अपनी जादुई आवाज देंगे। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने कुछ दिन पहले 'श्रेक 5' का टीजर जारी करते हुए बताया था कि फिल्म 2027 की गर्मियों में रिलीज किए जाने की योजना है। अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। 'श्रेक 5' की रिलीज के एक साल बाद, यानी 30 जून, 2028 को यह स्पिन-ऑफ सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

### हॉलीवुड में मेरा बेस्ट काम अभी बाकी

**मुंबई।** वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा उन गिने-चुने भारतीय कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। प्रतिष्ठित 'कान लायंस' सम्मेलन में अपने हॉलीवुड सफर पर चर्चा करते हुए प्रियंका ने वैश्विक मंच पर और अधिक विविध काम करने की इच्छा जताई। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हालिया एडवेंचर फिल्म 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में अभिनय करने के बाद भी उनका कहना है कि पश्चिमी सिनेमा में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। उन्होंने साझा किया कि भारत में उन्होंने बेहतरीन निर्देशकों के साथ हर तरह के जॉनर और किरदारों को जिया है, लेकिन अमेरिका में अंग्रेजी भाषा के काम में वे अभी तक वैसी विविधता नहीं ला पाई हैं।

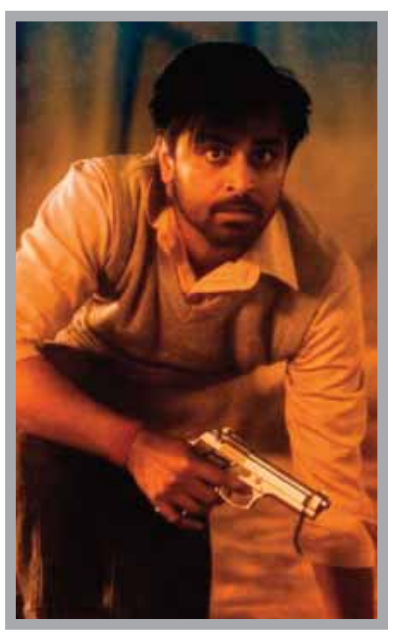

### मिर्जा: द मूवी में दिखेंगे खूंखार अवतार

**मुंबई।** 'मिर्जापुर: द मूवी' के नए कैरेक्टर पोस्टर सामने आ गए हैं। इन पोस्टरों में फैंस को जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी और रवि किशन के किरदारों की पहली झलक देखने को मिली है। इससे पहले एक टीजर भी आया था, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया जैसे आइकॉनिक किरदार दोबारा दिखाए गए थे। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बढ़ गया है। जितेंद्र बबलू पंडित के किरदार में हैं और वे हथियार पकड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक बनर्जी एक बार फिर इंटेंस कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं, वहीं रवि किशन बबन बबुआ बनकर एक दमदार अवतार में दिखेंगे। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है।

## टीवी मसाला

### 'बिग बॉस 20': चारू ने क्यों ठुकराया सलमान का शो? कारण छू लेगा दिल

**मुंबई।** सलमान खान के शो 'बिग बॉस सीजन 20' को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो इस साल शो सितंबर के आखिर तक टीवी पर वापसी कर सकता है। निर्माताओं ने जानी-मानी हस्तियों को शो में शामिल करने के लिए उनसे संपर्क करना भी शुरू कर दिया है। अभिनेत्री चारू असोपा को भी प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकारने की बजाए ठुकरा दिया। उन्होंने इसका कारण भी खुद बताया है। चारू ने अपने व्लॉग में लिखा, '2 दिन पहले मुझे 'बिग बॉस' से कॉल आया था, लेकिन मैंने अपनी जिंदगी में जो भी बदलाव किए हैं, वे सब जियाना के लिए हैं। मैं उससे दूर नहीं रहना चाहती। मेरा मकसद ऐसा काम करना है जिससे मैं उसके साथ समय बिता सकूं और एक मां के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभा सकूं।' उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं नहीं निभाना चाहेंगी, जिनके लिए उन्हें अपनी बेटी से दूर रहना पड़े।

***बेटी के पास रहते हुए काम करना चाहती हैं अभिनेत्री :*** चारू ने आगे बताया कि अगर उन्हें काम के चलते अपनी बेटी से दूर रहने में दिक्कत नहीं होती, तो वह मुंबई नहीं छोड़तीं। उनकी जिंदगी जियाना के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटी की सभी आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती हैं। बता दें, चारू की शादी सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन से हुई थी। हालांकि जून, 2023 में दोनों का तलाक हो गया था। अभिनेत्री अपनी बेटी की परवरिश अकेली मां बनकर कर रही हैं।

### रियलिटी शो 'अलायंस' में सोहेल होंगे शामिल

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता सोहेल खान प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'अलायंस' में वाइल्डकार्ड एंट्री लेने जा रहे हैं। वे इस शो के पहले वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए हैं। कुणाल इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसमें 16 सेलिब्रिटीज को जोड़ियों में बांटा जाता है। इन जोड़ियों को कई चीजों से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि, सोहेल पहले भी कई शोज को जज कर चुके हैं, लेकिन रियलिटी टीवी पर बतौर प्रतियोगी यह उनकी पहली एंट्री होगी। सोहेल की एंट्री अगले हफ्ते टेलीकास्ट होगी। इससे डैजी शाह-जैद दरबार और कुशाल टंडन-अर्स्लान गोनी जैसी पहले से मौजूद जोड़ियों के बीच एक नया ट्विस्ट आएगा। खास बात यह है कि सोहेल की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह के भी शो में शामिल होने की अफवाहें हैं। ऐसे में लगातार फिल्माए जा रहे 'सेफ रूम' के उन लम्हों में क्या नया ड्रामा होगा, इसे देखने के लिए दर्शक बेहद उत्सुक हैं। बनजय एशिया द्वारा निर्मित यह शो 'अलायंस' अपनी शुरुआत से ही दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।



### 'धर्मन' के लिए कसी कमर जबरदस्त है थलाइवा का अंदाज

**मुंबई।** तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' का आधिकारिक नामकरण हो चुका है। इसे 'धर्मन- द डेडली डॉक्टर' शीर्षक दिया गया है। हाल ही में निर्माताओं ने इस ऐलान के साथ अभिनेता की पहली झलक भी सोशल मीडिया पर जारी की थी। अब ताजा अपडेट है कि सुपरस्टार ने अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। उनका एक और पोस्टर जारी किया गया है, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।

#### डॉक्टर के लुक में दमदार दिखे रजनीकांत

राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर रजनीकांत का पोस्टर जारी किया है। इसमें अभिनेता डॉक्टर का खून से लथपथ कोट हाथ में पकड़े हुए हैं। दूसरे हाथ में उनका पहचान पत्र है, जबकि गले में स्टेथोस्कोप पड़ा हुआ है और जमीन पर कई सारी बंदूक की गोलियां बिखरी हुई हैं।

उनका यह अंदाज एक ऐसे डॉक्टर की एक्शन से भरपूर कहानी की तरफ संकेत देता है, जिसका एक खतरनाक विद्रोही पक्ष भी है।

#### रजनीकांत और कमल हासन की एक साथ वापसी

निर्माता कमल हासन ने 'थलाइवर 173' का ऐलान इसी साल जनवरी में किया गया था। इसके जरिए वह और रजनीकांत पेशेवर तौर पर करीब 47 साल बाद साथ में आ रहे हैं। दोनों की आखिरी फिल्म 'अल्लाउदीनम अर्पुथा विलाक्कुम' (1979) में आई थी। राशि खन्ना भी फिल्म में शामिल हो चुकी हैं और कुछ दिन पहले उन्होंने सेट से मुहूर्त की तस्वीरें साझा की थीं। इस परियोजना के निर्देशन की कमान अश्वथ मारिमुथु ने संभाली है।

### 'वेलकम 2 द जंगल' की कमाई से होगी वीर नारियों की मदद, निर्माता ने किया ऐलान...

**मुंबई।** अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसी बीच फिल्म के निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने देशभक्ति और इंसानियत की एक अनोखी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी इस फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की विधवाओं (वीर नारियों) के कल्याण के लिए दान करने का एक बेहद नेक और बड़ा संकल्प लिया है।

#### नाडियाडवाला का दिल जीतने वाला संकल्प

फिरोज ने ऐलान किया कि फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की वीर नारियों के कल्याण के लिए दान किया जाएगा। ये राशि इस दिशा में काम करने वाले संगठनों को दी जाएगी। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म की कहानी भी भारतीय सेना की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें मुख्य किरदार शुरुआत में आर्मी अफसर बनने का नाटक करते हैं, लेकिन बाद में देश की मदद के मिशन में जुट जाते हैं।

#### *फिरोज की फिल्म निर्माताओं से अपील*

*फिरोज नाडियाडवाला ने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी सिर्फ बड़ी कंपनियों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की होती है। उनका मानना है कि सभी को एक-दूसरे की मदद कर दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य दूसरे फिल्म निर्माताओं को भी प्रेरित करना है। फिरोज ने सभी निर्माताओं से अपील की कि वे अपनी फिल्मों की कमाई का कुछ हिस्सा एनजीपी, खासकर अनाथ लड़कियों की मदद करने वाली संस्थाओं को दान करें।*

### 'अल्फा' से 'ईथा' तक, बॉलीवुड में महिला प्रधान फिल्मों का होगा बड़ा धमाका...

**मुंबई।** बॉलीवुड में जल्द ही कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनकी कहानी महिला प्रधान किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन फिल्मों में एक्शन, थ्रिलर, क्राइम और बायोपिक जैसी कई कहानियां देखने को मिलेंगी। आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' से लेकर श्रद्धा कपूर की 'ईथा' तक कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं।

#### 'अल्फा', 'ईथा' और 'बेबी डू डाई डू'

स्पाई-एक्शन फिल्म 'अल्फा' में मुख्य किरदार में आलिया और शरवरी हैं। यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म 'ईथा' महाराष्ट्रीयन तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। इसमें श्रद्धा मुख्य भूमिका में है। यह फिल्म 28 अगस्त रिलीज होगी। फिल्म 'बेबी डू डाई डू' 3 जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण हुमा कुरैशी ने किया है और इसमें उन्होंने अभिनय भी किया है।

#### 'शक्ति शालिनी' 'दायरा' और 'मायसा'

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2027 के शुरुआत में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होगी। इसमें करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मायसा' साल 2026 के अक्टूबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और दमदार किरदार में नजर आएंगी।

### 'वेलकम 4' में फिर जमेगी नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जोड़ी ...

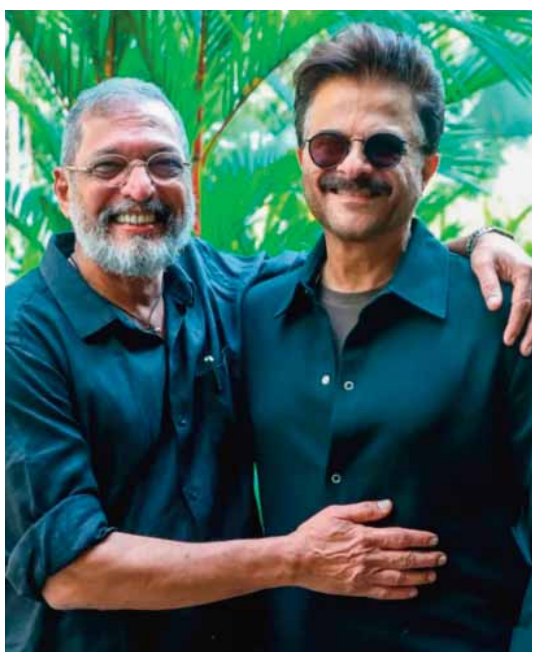

मुंबई। 'वेलकम टू द जंगल' में नाना पाटेकर और अनिल कपूर नजर नहीं आए, जिससे फैंस को उनकी कमी खली, लेकिन अक्षय कुमार ने एक उम्मीद भरी बात कही है। उन्होंने इशारा दिया है कि अगर कभी 'वेलकम 4' बनी, तो आप उन सबको साथ देख पाएंगे। ये दोनों कलाकार पुरानी 'वेलकम' फिल्मों के चहेते रहे हैं, इसलिए उनके दोबारा एक साथ आने की खबर ने सबको उत्साहित कर दिया है।

*निर्देशक अहमद ने कही ये बात :* निर्देशक अहमद खान ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान वे नाना और अनिल दोनों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि नाना खुद ही फिल्म के बारे में जानकारी लेते रहते थे, जबकि अनिल ने कहा था कि वे दोबारा उनके साथ काम करना पसंद करेंगे। इस फिल्म में सुनिल शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, दिशा पटानी और लारा दत्ता भी हैं।

# मैं चाहता हूं कि यहां से जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी केवल डिग्रीधारक नहीं चरित्रवान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित युवा बने : आचार्य बालकृष्ण

**हरिद्वार।** पतंजलि विश्वविद्यालय के एक महीना चले ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का भव्य एवं प्रेरणादायी का हुआ समापनदेश के 11 राज्यों के विद्यार्थियों ने पतंजलि में आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का अद्वितीय अनुभव महसूस किया- पतंजलि विश्वविद्यालय ने शिक्षा को पुस्तकों से आगे बढ़ाकर जीवन से जोड़ने का कार्य किया- डॉ. धन सिंह रावतहरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय एवं पतंजलि अनुसंधान संस्थान हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का आज भव्य एवं गरिमामय समापन समारोह सम्पन्न हुआ। देश के 11 राज्यों से आए 130 छात्र-छात्राओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का अद्वितीय अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को प्रयोगशाला आधारित वैज्ञानिक प्रशिक्षण के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, योग, यज्ञ एवं नैतिक मूल्यों से भी जोड़ने का कार्य किया। समापन समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण तथा उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं।

उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में शोध करने वाला विद्यार्थी यदि भारतीय संस्कृति, योग एवं यज्ञ की परंपरा से भी जुड़ा हो, तो उसका व्यक्तित्व अधिक संतुलित, अनुशासित एवं राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित बनता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे चाहते हैं कि यहां से जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि चरित्रवान, शोधपरक और राष्ट्रनिर्माण के लिए समर्पित युवा बने।मुख्य अतिथि डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना को साकार करता है, जहाँ विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल, अनुसंधान क्षमता, भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा नैतिक संस्कारों का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने संस्थानों में लौटकर यहाँ प्राप्त अनुभवों को साझा करें तथा विज्ञान एवं समाज के मध्य सेतु बनने का कार्य करें। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिया गया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्राध्यापक, शोधकर्ता, प्रशिक्षण समन्वयक, अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। समारोह का समापन सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य, राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति तथा मानव कल्याण की मंगलकामना के साथ सम्पन्न हुआ। महीने भर चला प्रशिक्षण कार्यक्रम- एक माह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि प्रत्येक दिन का शुभारंभ वैदिक यज्ञ एवं योगाभ्यास से हुआ। इसके पश्चात विभिन्न प्रयोगशालाओं में आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों एवं अनुसंधान तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, औषधीय पादप, आणविक जीवविज्ञान तथा अन्य वैज्ञानिक विषयों पर विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान एवं प्रयोगात्मक सत्र आयोजित किए गए।प्रतिभागियों को अनुशासित एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी मिली- प्रतिभागियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे उन्हें वैज्ञानिक सोच के साथ अनुशासित एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी मिली। उनका कहना था कि विज्ञान, योग, यज्ञ एवं नैतिक मूल्यों का ऐसा समन्वित प्रशिक्षण देश में विरल है और यह अनुभव उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।पांच उत्कृष्ट प्रतिभागियों को मिला सम्मान- समापन समारोह का सर्वाधिक आकर्षक एवं भावनात्मक क्षण वह रहा जब प्रशिक्षण अवधि के दौरान शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रयोगशाला कार्य, अनुशासन, योग एवं यज्ञ में सहभागिता तथा समग्र व्यक्तित्व विकास के आधार पर चयनित पांच उत्कृष्ट प्रतिभागियों को हवन-किट भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय संस्कृति एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता के समन्वय का प्रतीक रहा। पांच उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इनमें सुश्री चंद्रिका गोयल, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश), सुश्री मेघना गुप्ता, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश), बादल पंचाल, आईटीएम विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश), अर्वीतिका त्यागी, एसडी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, उत्तर प्रदेश, अनन्या उनियाल, ग्राफिक एरा (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उत्तराखंड से रहीं। सभी विजेताओं को आचार्य बालकृष्ण महाराज एवं डॉ. धन सिंह रावत ने स्मृति-चिह्न स्वरूप हवन-किट प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# शनिवार रात पृथ्वी के करीब से गुजरा विशाल एस्टेरॉयड

बीजिंग। शनिवार को एक विशाल एस्टेरॉयड पृथ्वी के करीब से गुजरा। इसकी जानकारी यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने दी। उसने बताया कि इस एस्टेरॉयड से पृथ्वी को कोई खतरा नहीं था। फिर भी भारत के, चीन की सीएनएसए, अमेरिका की नासा और दूसरे देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां इस एस्टेरॉयड पर नजर बनाई हुई हैं। बड़ी बात यह है कि मौसम साफ रहने पर अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों द्वारा इस एस्टेरॉयड को छोटे टेलिस्कोप या बडी दूरबीन से आसानी से देखा गया।

## इसरो और सीएनएसए की रहीं कड़ी नजरें

### 2,560,000 किलोमीटर दूरी से गुजरा

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, इस एस्टेरॉयड का नाम (152637) 1997 एनसी1 है। यह एस्टेरॉयड शनिवार को 11:14 जीएमटी (भारतीय समयानुसार शाम 4:44 पर पृथ्वी के सबसे नजदीक आया। इस दौरान एस्टेरॉयड (152637) 1997 एनसी1 और पृथ्वी के बीच की दूरी लगभग 2,560,000 किलोमीटर रही। यह पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से छह गुना से भी ज्यादा है।

### वर्षों बाद इतने करीब से गुजरा

ईएसए के प्लैनेटरी डिफेंस ऑफिस के जुआन लुइस कैनो ने एक बयान में कहा, 'इस आकार की किसी वस्तु का पृथ्वी के इतने करीब आना कुछ ही वर्षों में एक बार होता है। हालांकि, इस बार सबसे करीब आने के समय, पास में मौजूद चमकीला चंद्रमा इसे देखने में बाधा डाल सकता है।' जिन लोगों के पास टेलिस्कोप या दूरबीन है, वे इसे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में इसके करीब आते समय देख सकते थे। हालांकि, पृथ्वी के पास से गुजरते समय इसे लगभग हर जगह से देखा जा सकेगा।

### गति कितनी रहीं?

पृथ्वी के करीब से गुजरने के दौरान (152637) 1997 एनसी1 एस्टेरॉयड की गति लगभग नौ किलोमीटर प्रति सेकंड रही। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इससे पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना को पहले ही खारिज कर दिया है। एस्टेरॉयड (152637) 1997 एनसी 1 की खोज 1997 में की गई थी।

### आकार क्या था?

इस एस्टेरॉयड के आकार का अनुमान, उससे परावर्तित होने वाली सूरज की रोशनी के आधार पर लगाया गया है। इसके अनुसार, यह 750 से 1,650 मीटर चौड़ा हो सकता है। हालांकि, ईएसए ने एक बयान में कहा कि अन्य अनुमानों के अनुसार यह इससे छोटा भी हो सकता है।

# दुनिया का इकलौता पेड़, जहां उगते हैं पैसे

## इस अनोखे मनी ट्री को देखने दूर-दूर से आते हैं लोग!

**लंदन।** यूनाइटेड किंगडम में मौजूद एक अनोखा 'मनी ट्री' दुनियाभर के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जहां पेड़ में हजारों सिक्के जड़े हुए दिखाई देते हैं। मान्यता है कि इस पेड़ पर सिक्का लगाने से मनोकामनाएं पूरी होती है। बचपन में जब भी हम खिलौना, वीडियो गेम या कोई महंगी चीज खरीदने की जिद करते थे, तो मम्मी-पापा का सामने से एक ही डायलॉग आता था- 'क्या पैसे पेड़ पर उगते हैं?' उस वक्त ये बात सुनकर भले ही बुरा लगता हो, लेकिन जरा सोचिए अगर सच में कोई ऐसा पेड़ हो, जिस पर पैसे लगे हों तो? सुनने में यह किसी फैंटेसी फिल्म या जादुई कहानी जैसा लगता है, लेकिन दुनिया में एक ऐसा पेड़ सचमुच मौजूद है जिसे लोग जिस पेड़ पर फल नहीं पैसे उगते हैं, और लोग उसे 'मनी ट्री' के नाम से जानते हैं।

### डर और रहस्य से भी जुड़ी हैं कहानियां

जहां कुछ लोग इस पेड़ को शुभ मानते हैं, वहीं कई लोग इसे रहस्यमयी और डरावना भी बताते हैं। स्थानीय लोगों के बीच ऐसी कहानियां भी प्रचलित हैं कि इस पेड़ पर आत्माओं का वास है और सिक्के उन्हें शांत करने के लिए लगाए जाते है। हालांकि, इन बातों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन ऐसी कहानियां इस पेड़ को और भी दिलचस्प बना देती है।

### आखिर क्यों चिपकाते हैं लोग सिक्के?

इस पेड़ से कई तरह की मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यहां सिक्का लगाने से लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती है। वहीं, कई प्रेमी जोड़े इस पेड़ के पास आकर सिक्के लगाते हैं, क्योंकि उनका विश्वास है कि इससे उनके रिश्ते मजबूत होते हैं और शादी में आने वाली परेशानियां दूर हो जाती है। कुछ लोग इसे सौभाग्य का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे आध्यात्मिक शक्ति से जुड़ा हुआ बताते हैं। हालांकि, हर व्यक्ति की अपनी अलग सोच है, लेकिन इस पेड़ के प्रति लोगों की आस्था सालों से बनी हुई है।

### दुनियाभर के सिक्कों से भरा है पेड़

सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इस पेड़ पर सिर्फ ब्रिटेन ही नहीं, बल्कि कई देशों के सिक्के लगे हुए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैली हुई है। पर्यटक यहां आते हैं, अपनी इच्छा मांगते हैं और पेड़ में सिक्का फंसा देते हैं। बताया जाता है कि इस पेड़ में कुछ लगभग 1700 साल पुराने सिक्के भी लगाए गए हैं। यही वजह है कि यह पेड़ सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि लोगों की आस्था, कहानियों और जिज्ञासा का हिस्सा बन चुका है। आज के समय में यह पेड़ सोशल मीडिया पर कभी-कभी वायरल होता रहता है। लोग इसके वीडियो और तस्वीरें शेयर करते हैं और इसकी अनोखी कहानी सुनकर हैरान रह जाते हैं। कई लोग इसे दुनिया के सबसे अजीब और दिलचस्प पेड़ों में से एक मानते है। हालांकि, आपको बता दें कि भारत के हिमाचल प्रदेश में स्थित चूड़धार एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जो हिमालय की शिवालिक पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी मानी जाती है।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
बरसों की कमजोरी बामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.82 / 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175
वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147
वर चाहिए
वर चाहिए- 55 वर्ष/ 5'4" / ब्राह्मण डॉक्टर MBBS रिटायरमेंट इनकम 90.000/ तलाकशुदा, widow घरजमाई, मान्य है टाइम पास वाले कॉल न करे मो. 97523 61635. 9993872566 (41294)

## राशिफल

**मेष** धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

**वृष** वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**मिथुन** शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

**कर्क** आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

**सिंह** सम्पति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

**कन्या** किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

**तुला** मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

**वृश्चिक** शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**धनु** आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मकर** व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

**कुंभ** मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

**मीन** परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

प्रशासनिक स्वैच्छिक स्थानांतरण आदेश 28 से 30 जून तक हो सकते हैं जारी

# तबादलों को लेकर बढ़ते विरोध को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सतर्क, हाईकोर्ट में दायर की कैविएट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्कूली शिक्षा में स्थानांतरण नीति को लेकर बढ़ते विरोध को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण आदेश जारी करने से पहले हाईकोर्ट में कैविएट दायर कर दी है। इसके साथ ही संयुक्त संचालक, प्राचार्य और अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। इससे पहले सहायक संचालकों की पदस्थापना के आदेश जारी किए जा चुके हैं। अब ऑनलाइन प्राप्त स्वैच्छिक तबादला आवेदनों के आधार पर भी जल्द आदेश जारी किए जा सकते है। विभाग के अनुसार प्रशासनिक एवं स्वैच्छिक आधार पर स्थानांतरण आदेश 28 से 30 जून के बीच जारी किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि स्वैच्छिक तबादला नीति को लेकर प्रदेशभर में शिक्षकों के एक वर्ग ने विरोध दर्ज कराया था। ऐसे में विभाग की इस कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि किसी भी न्यायिक बाधा से बचाने के लिए विभाग पहले से सतर्क है।

संभावित कानूनी विवाद को देखते हुए उठया कदम | सूचना जारी कर कर्मियों को कराया अवगत

### इसलिए पड़ी जरूरत

जानकारों की मानें तो लोक शिक्षण संचालनालय ने विभागीय स्थानांतरण नीति-2026 के तहत संभावित कानूनी विवादों को देखते हुए कैविएट सूचना जारी की है। विभाग को आशंका है कि तबादलों के बाद कई कर्मचारी हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में न्यायालय विभाग का पक्ष सुने बिना कोई अंतरिम आदेश जारी न करें, इसके लिए पहले से ही कैविएट दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संचालनालय ने 25 जून को इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी कर कर्मचारियों और आमजन को भी अवगत कराया है।

## शब्द पहेली - 6270

**बाएँ से दाएँ-**
1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-1
7. शैव आवास-3
8. शाम, सजन-2
10. पति, शौहर-3
11. दमकन-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. अब्ज-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहसीलदार-5

**ऊपर से नीचे**
1. कथा कहने वाला-5
2. नित जी-2
3. कार्यशाला, पंचालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुग़ल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार

**व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म**
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

**शब्द पहेली -6269 का हल**

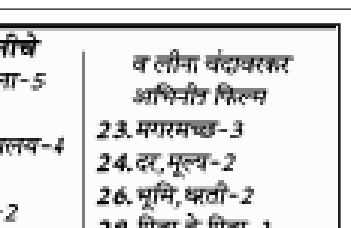

## सूडोकु नवताल- 6280

स्तर: सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में : से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक अड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल- 6279 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

MANGAL SENCHA, BANGALORE

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 28 जून 2026


# मन-जीवन को कर रहा अशांत
# सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

**स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून**

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

## बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

## गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

## खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

### सही नहीं सबका पीछा करना

**दूसरों के** मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

# अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

**गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः** जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

**बहुपयोगी है इसकी तकनीकः** गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

**कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः** गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

**हो रहा वैश्विक प्रसारः** देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

## भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

# शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

## संवेदना-संघर्ष का कथालोक

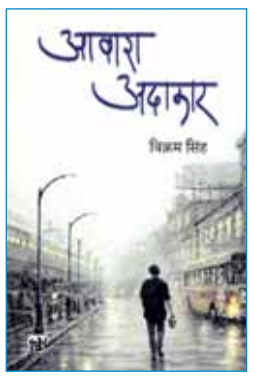


हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। k

**पुस्तकः** आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
**मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

## उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन

स्पेन ने 1-0 से हराया

**गुआडालाजारा।** स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा की एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिका की दिग्गज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम ग्रुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

## सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश

5-0 से दर्ज की जीत

**टोरंटो।** स्थानापन्न खिलाड़ी पेप गुये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सर्र ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप गुये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

## केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

सऊदी अरब से खेला ड्रॉ

**ह्यूस्टन।** केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं।' केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है।

## मिस्र ने पहली बार बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

**सिएटल।** मिस्र ने महमूद साबेर के शुरू में किए गए गोल के बावजूद कुछ विषम पलों से गुजरते हुए ईरान के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण मैच को 1-1 से ड्रॉ खेला और पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। ईरान ने गोल करने के अधिक मौके बनाए। इनमें संभावित विजयी गोल भी शामिल था, जिसे ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया। उसे अब अपने भाग्य का पता लगाने के लिए एक दिन इंतजार करना होगा जब टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम का निर्धारण होगा। मिस्र ने पांचवें मिनट में साबेर के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। मोहम्मद सालाह ने बॉक्स के अंदर शानदार खेल दिखाया, जिसके बाद साबेर ने ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के पैरों के बीच से शॉट मारकर गोल कर दिया। ईरान ने नौ मिनट बाद रामिन रेजेयान के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। उसने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में विजयी गोल कर दिया था जब शोजा खलीलजादेह ने गोल में शॉट लगाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे ऑफसाइड करार दिया गया। अगर यह गोल मान्य होता तो ईरान नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर लेता।

### डेम्बेले ने रचा इतिहास, फ्रांस की नार्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

## 32 साल बाद पहले हाफ में हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की।

विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

### फ्रांस की टीम ने बनाए रखा दबदबा

*डेम्बेले ने कहा, 'यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, 'हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'*

## बेल्जियम की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत, ग्रुप जी में शीर्ष पर

**वैंकूवर।** लिएंड्रो ट्रोसार्ड (28वें और 50वें मिनट) के दो गोल की बदौलत बेल्जियम ने विश्व कप फुटबॉल में धीमी शुरुआत के बावजूद न्यूजीलैंड पर 5-1 से जीत हासिल कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। इस जीत से बेल्जियम ने पांच अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष स्थान हासिल किया और वह अगले दौर में बुधवार को सिएटल में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों में से किसी एक टीम का सामना करेगा। ग्रुप जी में मिस्र ने भी पांच अंक हासिल किए लेकिन वह बेल्जियम से गोल अंतर में पीछे रहने के कारण दूसरे स्थान पर रहा।

केविन डी ब्रुइन (66वें), रोमेलु लुकाकू (86वें) और एलेक्सिस सैलेमेकर्स (इंजरी टाइम के चौथे मिनट) ने भी बेल्जियम के लिए गोल किए। इससे उसने बड़ी जीत सुनिश्चित करके ग्रुप में पहला स्थान भी हासिल कर लिया। बेल्जियम चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गए था, जबकि उसने रूस में विश्व कप 2018 में तीसरा स्थान हासिल किया था। न्यूजीलैंड के लिए एलिजा जस्ट ने 84वें मिनट में गोल किया। उसे नॉक आउट चरण में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन अब उसे वापस घर लौटना होगा।

### खबर संक्षेप

#### 'प्रसिद्धि और चकाचौंध' से दूर सूर्यवंशी : संगाकारा

**मुंबई।** राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगाकारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह 'प्रसिद्धि और चकाचौंध' से प्रभावित होने वाले खिलाड़ी नहीं हैं और दबाव में भी बेहद सहज रहते हैं। श्रीलंका के इस पूर्व दिग्गज कहा कि यह आक्रामक किशोर बल्लेबाज भारत के साथ-साथ विश्व क्रिकेट में भी बड़ा नाम बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी के करियर को समझदारी से आगे बढ़ाने और परिवार और टीम के मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। संगाकारा ने कहा, उन्हें आने वाले समय में क्रिकेट और व्यावसायिक स्तर पर कई अवसर मिलेंगे। इन सबके बीच संतुलन बनाना और उसे मिलने वाला समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा। लेकिन एक बात तय है कि उसे बल्लेबाजी करना पसंद है।

#### श्रीलंका की स्कॉटलैंड पर रोमांचक जीत

**मैनचेस्टर।** श्रीलंका ने अंतिम ओवर तक चले रोमांचक मैच में स्कॉटलैंड को 3 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सराह ब्रायस के नाबाद 47 और सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर के 34 रन की मदद से छह विकेट पर 151 रन बनाए। श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने सर्वाधिक 33 रन का योगदान दिया। श्रीलंका को आखिरी ओवर में सात रन की जरूरत थी।

## 963 दिन बाद वापसी फीकी, जीत के साथ दौरा खत्म करना चाहेंगे अय्यर

एजेंसी ▶▶| बेलफास्ट

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में चौकाने वाली हार का सामना करने के बाद भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजे शीर्ष बल्लेबाजी क्रम पर रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। श्रेयस अय्यर की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 963 दिनों बाद वापसी और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। वह बुधवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से पहले आयरलैंड दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे।

#### बिखरी टीम इंडिया की बल्लेबाजी

*भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजी का बिखर जाना रही। तीन महीने पहले विश्व कप में नायक रहे संजू सैमसन सिर्फ चार गेंद खेलकर आउट हो गए। ईशान किशन और अय्यर भी बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक खेल जारी रखा और अच्छी शुरुआत दी, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पावरप्ले के बाद उनका आउट होना भारत की पारी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।*

#### आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज शाम 6 बजे से

#### राणा ने किया अच्छा प्रदर्शन

*गेंदबाजी में कुछ सकारात्मक बातें भी रहीं। हर्षित राणा ने चोट से वापसी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। टीम को सबसे अधिक नुकसान वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवरों में 57 रन लुटाने से हुआ। कृष्णा ने पारी के 17वें ओवर में 27 रन दिए।*

#### आयरलैंड का मनोबल ऊंचा

*आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की अहम पारियां खेलीं, जिससे टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में इतिहास रचने के बाद आयरलैंड का मनोबल ऊंचा है, जबकि भारतीय टीम श्रृंखला गंवाने की शर्मनाक स्थिति से बचने के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करना चाहेगी।*

महिला टी20 वर्ल्ड कप मैच शाम 7 बजे से

## ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| लंदन

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में अभी तक चार मैच खेले हैं, जिसमें से उन्हें 3 में जीत मिली है। वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर दोनों देशों के फैंस के बीच भारी उत्साह है।

#### भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच टी20 इंटरनेशनल में अभी तक 38 मैच खेले गए हैं, जिसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 9 में जीत मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 27 मुकाबले जीतने में कामयाब रही है। दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई रहा है और एक मैच का रिजल्ट नहीं आया। ये आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हमेशा से भारतीय महिला टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपने खेल के हर डिपार्टमेंट बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

## एशियाई खेलों में मैदान पर उतरेंगे नीरज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

भारतीय भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने इसकी पुष्टि की। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर गए हैं। उन्होंने हाल में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत की, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की पुष्टि तो कर दी थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया था कि वह 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे या नहीं। सुमारीवाला ने कहा, 'वह (चोपड़ा) राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों दोनों में भाग लेंगे। उन्होंने क्वालीफाई कर लिया है और वह अभी चोट से पूरी तरह उबरने की प्रक्रिया में है।

एफआईएच प्रो लीग

## भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा

पाकिस्तान को दी 7-1 से करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

#### भारतीय खिलाड़ियों ने खेला आक्रामक खेल

भारत ने दूसरे हाफ में अपना दबदबा बरकरार रखा। उसे 34वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर के चलते पेनल्टी मिली, जिसे हार्दिक ने गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला किया। दिलप्रीत ने सुखजीत के साथ शानदार तालमेल बिठाते हुए जुगराज को पास दिया, जिन्होंने 35वें मिनट में शानदार गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने आक्रामक रवैया जारी रखा, जिसका उसे तब फायदा मिला जब सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया, जिन्होंने 41वें मिनट में दौड़ते हुए गोल दाग दिया। भारत को तीसरे क्वार्टर के आखिर में लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले। इनमें से एक पर राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल किया और टीम की बढ़त को 6-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने रक्षापंक्ति में अनुशासन बनाए रखा और साथ ही आक्रमण जारी रखा।

अमेरिकी ओपनः सेमीफाइनल में देविका, रौनक और श्रीकांत

## देविका ने किया उलटफेर, तीसरी वरीयता प्राप्त गुंजी को हराया

एजेंसी ▶▶| फुलर्टन

देविका सिहाग ने जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी को हराकर बड़ा उलटफेर करके अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रौनक चौहान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम चार में जगह बनाई।

देविका ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दोनों गेम के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया।

#### रौनक ने जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में हराया

रौनक चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से पराजित किया। वह पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराकर रविवार को भारत के दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल की उम्मीदें बढ़ा दीं।

#### अब देविका करेंगी क्रिस्टोफरसन का सामना

सेमीफाइनल में चौहान का सामना चीन के ताइपे के आठवीं वरीयता प्राप्त सु ली यांग से होगा, जबकि श्रीकांत जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो का सामना करेंगे। देविका सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करेंगी। डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया। महिला एकल के एक अन्य क्वार्टरफाइनल में रक्षिता श्री कनाडा की राहेल चान से 15-21, 21-16, 21-12 से हार गईं।

### तिलवारा में बम फिंकवाने का आरोप, अगले ही दिन शराब ठेकेदार के दफ्तर पर हमला

# दो रात, दो धमाके... सवालों के घेरे में शराब सिंडीकेट!

**क्या विवाद से ध्यान भटकाने और काउंटर एफआईआर की कोशिश, तिलवारा-गोरखपुर पुलिस हर एंगल पर जांच में जुटी**

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में लगातार दो रात हुई बमबाजी की घटनाओं ने शराब कारोबार और उससे जुड़े विवादों को नए सिरे से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। 25 जून की रात तिलवारा थाना क्षेत्र के आयुषीधरा कॉलोनी में रहने वाले राधेश्याम झारिया के घर पर सूअरमार बम फेंके जाने और तोड़फोड़ की घटना के बाद 26 जून की देर रात गोरखपुर थाना क्षेत्र में शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे के कार्यालय के बाहर भी पांच बम फेंके जाने की शिकायत सामने आई। दोनों घटनाओं में एक समान रूप से आशीष शिवहरे का नाम सामने आने से पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है और हर पहलू की पड़ताल में जुटी है।

#### ▸▸ वीडियो जारी कर लिया आशीष शिवहरे का नाम

राधेश्याम झारिया ने तिलवारा पुलिस को दिए बयान और सार्वजनिक रूप से जारी वीडियो में आरोप लगाया है कि वह जिले में शराब कारोबार में कथित अनियमितताओं और शराब सिंडीकेट के खिलाफ लगातार शिकायतें कर रहे थे। इसी कारण उन्हें पहले समझौते और पैसों का प्रलोभन दिया गया तथा बाद में डराने के लिए उनके घर पर बम फिंकवाए गए। घटना में उनकी थार कार और पड़ोसी के मकान एवं वाहन को नुकसान पहुंचा। झारिया ने अपने आरोपों में सीधे शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे का नाम लिया है। पुलिस ने इन आरोपों को जांच का हिस्सा बनाया है।

#### ▸▸ बंद ऑफिस में चलाए बम

इसी बीच अगले ही दिन आशीष शिवहरे के बंद कार्यालय के बाहर बम फेंके जाने की घटना सामने आई। शिवहरे के मैनेजर अशोक मिश्रा ने पुलिस को आर्यन चौधरी, श्रेयांस त्रिपाठी और अरमान का नाम बताते हुए आरोप लगाया कि वह झूठी शिकायतें कर शराब कारोबारियों पर दबाव बनाते हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदेही नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

#### ▸▸ पुलिस जोड़ रही दोनों घटनाओं की कड़ियां

जांच अधिकारियों का मानना है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं। एक ओर राधेश्याम झारिया ने हमले के पीछे शराब सिंडीकेट से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी ओर शराब कारोबारी के कार्यालय पर भी हमला होने की शिकायत दर्ज हुई है। पुलिस तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, फॉरेंसिक जांच और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने का प्रयास कर रही है।

#### ▸▸ क्या विवादों से ध्यान भटकाने की कोशिश?

पिछले कुछ समय से जिले में शराब बिक्री में कथित ओवररेटिंग, अवैध वसूली और शराब सिंडीकेट को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों और शिकायतकर्ताओं द्वारा आरोप लगाए गए हैं कि शराब कारोबारी आशीष शिवहरे की आबकारी विभाग के कुछ अधिकारियों विशेषकर सहायक आबकारी आयुक्त डॉ. संजीव दुबे से कथित सांठगांठ के कारण जिले में एक सिंडीकेट सक्रिय है। इन आरोपों का सार्वजनिक स्तर पर विरोध भी हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में अब यह चर्चा भी सामने आ रही है कि क्या बमबाजी की हालिया घटनाएं इन विवादों से ध्यान भटकाने या किसी अन्य उद्देश्य से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक पुलिस ने किसी भी ऐसे दावे की पुष्टि नहीं की है।

#### जांच की जा रही है

राधेश्याम झारिया के घर हुई बमबाजी की घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में आशीष शिवहरे पर संदेह व्यक्त किया है, जिसकी भी जांच की जा रही है।

-**ब्रजेश मिश्रा**, टीआई तिलवारा

#### आगे की कार्रवाई की जाएगी

शराब कारोबारी के कार्यालय पर बम फेंकने के मामले में एक संदेही नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-**नितिन कमल**, टीआई गोरखपुर

### हाईकोर्ट ने माना, आरोपी पति की सजा आजीवन कारावास से घटाकर 7 साल की

# तेरे जैसे हजार कर लूंगी कहकर उकसाया तो पति ने पत्नि के सिर पर मारा था पत्थर

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के मामले में एक अहम फैसला सुनाया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनिंद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने आरोपी की उम्रकैद की सजा को घटाकर 7 वर्ष के कठोर कारावास में बदल दिया। कोर्ट ने माना कि मृतका पत्नी ने पति को यह कहते हुए उकसाया था कि तेरे जैसे हजार पति कर लूंगी। कोर्ट ने कहा कि हत्या पूर्व नियोजित नहीं थी, बल्कि पत्नी के कथित अपमानजनक शब्दों से उत्पन्न अचानक और गंभीर उकसावे के कारण हुई थी।

अभियोजन के अनुसार, 18 सितंबर 2021 को छिंदवाड़ा के चौरई ब्लॉक निवासी शिवा कहार ने अपनी पत्नी किरण की हत्या कर दी थी। किरण 7 महीने की गर्भवती थी। शिवा ने किरण के सिर पर पत्थर मारा था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद शिवा ने खुद ही फोन करके पत्नी की हत्या की जानकारी अपने ससुर और पुलिस स्टेशन को पहुंचाई । इसके बाद शिवा को गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी शिवा कहार ने अपने बयान में बताया था कि उसका और उसकी पत्नी किरण के बीच में विवाद हुआ था। विवाद में उसकी पत्नी किरण ने कहा था कि, तेरे जैसे हजार पति

कर लूंगी। यह सुनकर उसे गुस्सा आ गया और उसने पास में ही पड़े एक पत्थर को किरण के सिर पर मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में छिंदवाड़ा जिला अदालत ने आरोपी शिवा कहार को धारा 304(1)के तहत आजीवन कारावास की सजा दी थी। सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गई थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भागा नहीं बल्कि उसने खुद ही इसकी जानकारी पुलिस और परिजनों को दी। इससे स्पष्ट है कि वह अपनी पत्नी को मारना नहीं चाहता था।

**प्रथम दृष्टया मननानी दिल्ली कोर्ट ने कहा-प्रतिस्पर्धा सीमित करने वाली शर्तों पर सरकार दे जवाब**

## सांदीपनि स्कूलों की यूनिफार्म आपूर्ति वर्क आर्डर पर अंतरिम रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सांदीपनि स्कूलों की यूनिफार्म आपूर्ति से जुड़े टेंडर पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट ने प्रथमदृष्टया माना कि याचिकाकर्ता की आपत्तियों में पर्याप्त दम है। एसीजे विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने राज्य शासन सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई तक वर्क आर्डर जारी नहीं करने का निर्देश दिया। दरअसल, राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित सुविधि रेयन्स प्राइवेट लिमिटेड के चिराग जैन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि प्रारंभिक टेंडर शर्तों के अनुसार गारमेंट निर्माता, फैब्रिक निर्माता अथवा दोनों श्रेणी की कंपनियां निविदा में भाग ले सकती थीं। बाद में पात्रता शर्तों में संशोधन कर केवल ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (ओईएम) को ही पात्र कर दिया गया। इसके साथ ही पिछले तीन वर्षों में 60 करोड़ रुपये के औसत वार्षिक टर्नओवर की अनिवार्यता भी जोड़ दी गई। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रायन डिसिल्वा व अधिवक्ता अभिषेक दिलराज ने दलील दी कि संबंधित टेंडर का मूल्य लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये है।

## बाघों की मौतों के पीछे शिकार एक कारण

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट के समक्ष राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने बाघों की लगातार हो रही अप्राकृतिक मौतों के बीच एक महत्वपूर्ण स्वीकारोक्ति की है। हलफनामे में एनटीसीए ने स्पष्ट रूप से माना है कि संरक्षित बाघ अभ्यारण्यों तथा उनके आसपास बाघों की हालिया अप्राकृतिक मौतों में अवैध शिकार प्रमुख कारणों में से एक है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि अब तक बाघों की मौतों को लेकर विभिन्न कारण सामने आते रहे थे, लेकिन कोर्ट के समक्ष स्वयं शीर्ष संरक्षण संस्था ने शिकार की गंभीरता को रेखांकित किया है। एसीजे विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष यह हलफनामा प्रस्तुत किया गया। दरअसल, वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने जनहित याचिका दायर कर बाघ अभ्यारण्यों के भीतर और आसपास लगातार हो रही संदिग्ध मौतों की न्यायिक समीक्षा की मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि अनेक मामलों में मौतें संगठित शिकार का परिणाम हैं। इसी याचिका के जवाब में उक्त हलफनामा दाखिल किया गया।

### हाईकोर्ट ने कहा, हैबियस कार्पस याचिका समाप्त, पुलिस जांच जारी रखने के निर्देश

# क्या किसी की तलाश में अदालत केवल स्टेटस रिपोर्ट ही मंगाती रहे?

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा कि क्या किसी लापता व्यक्ति की तलाश में अदालत अनिश्चितकाल तक केवल स्टेटस रिपोर्ट ही मंगाती रहे? एसीजे विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने साफ किया कि जब पुलिस हरसंभव प्रयास कर चुकी हो और दो वर्ष बाद भी कोई ठोस सुराग न मिले, तब बार-बार प्रगति प्रतिवेदन तलब करने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होता। इसी के साथ कोर्ट ने ग्राम थानेगांव, लांजी, बालाघाट निवासी रमेश घारटे द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कार्पस) याचिका का निराकरण कर दिया।

याचिकाकर्ता ने अपने 56 वर्षीय पिता के कथित अपहरण व गुमशुदगी का मामला उठाया था। 13 जून, 2024 को शिकायत दर्ज होने के बाद हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 से अब तक 14 सुनवाई में पुलिस से लगातार स्टेटस रिपोर्ट मंगाकर तलाश की प्रगति की निगरानी की। कोर्ट ने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में, जब स्वजनों के पास भी कोई ठोस सुराग नहीं है, तब पुलिस के लिए पूरे देश में किसी व्यक्ति का पता लगाना अत्यंत कठिन है।

## स्टेट बार काउंसिल चुनावः भदौरिया, चौधरी, व्यास, कोठारी और जितेंद्र ने बनाई बढ़त

**जबलपुर।** एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की मतगणना जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, चुनावी मुकाबला भी अधिक रोचक और प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है। शुक्रवार को देवास, धार, कन्नौद, बागली, आतेगांव, सोनकच्छ, टांकखुर्द, धर्मपुरी, बड़नावर, मनावर, कुक्षी और सरदारपुर की मतपेटियों की गणना हुई। पूरी प्रक्रिया अभ्यर्थियों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न होने से पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी हुई है। अब तक की मतगणना में राकेश सिंह भदौरिया, डा. विजय कुमार चौधरी, राजेश व्यास, डा. पीसी कोठारी और जितेंद्र कुमार व्यास को उल्लेखनीय बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। हालांकि मतगणना अभी जारी है और प्रत्येक नए चरण के साथ चुनावी तस्वीर में बदलाव की संभावनाएं बनी हुई हैं। 16 जून से लगातार चल रही मतगणना में अब तक 15,026 मतों की गणना पूरी हो चुकी है। इनमें 14,440 मतपत्र वैध पाए गए, जबकि 586 मतपत्र नियमों के अनुरूप नहीं होने के कारण निरस्त कर दिए गए। निर्वाचन प्रक्रिया का प्रतिदिन यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है। प्रत्येक चरण की अद्यतन जानकारी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जा रही है।

### हाईकोर्ट ने एससीएसटी एक्ट के मामले में दिया अहम आदेश

# पीड़ित प्रतिकर के लिए बयान पर कायम रहने का देना होगा हलफनामा

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है कि रेप पीड़िता को एससीएसटी एक्ट में पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत आर्थिक मदद मिलने के बाद उसे एक हलफनामा पेश करना होगा। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने कहा कि पीड़िता को हलफनामे में लिखना होगा कि सहायता राशि लेने के बाद वह अपने बयान से न मुकरेगी और न ही आरोपी से समझौता करेगी।

जबलपुर के खमरिया थाना क्षेत्र की एसटी वर्ग की एक महिला ने अपने साथ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दुष्कर्म की धाराओं के साथ एससीएसटी एक्ट भी लगाया था। इस एक्ट में प्रावधान है कि यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की किसी महिला के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज होता है, तो उसे सरकारी खजाने से पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। पीड़िता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि 2022 से अब तक उसे महज केवल 75 हजार रुपए आर्थिक सहायता मिली है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि नियमों के अनुसार पीड़िता को प्रतिकर की 75 प्रतिशत राशि दी जानी चाहिए। लेकिन, इसके लिए उसे अपनी ओर से एक शपथपत्र देना होगा कि सहायता राशि लेने के बाद वह अपने बयान से नहीं मुकरेगी और न ही आरोपी से कोई समझौता करेगी। कोर्ट ने कहा कि महिला 15 दिनों के भीतर ऐसा शपथपत्र प्रस्तुत कर देती है, तो शासन की ओर से उसे शेष राशि दे दी जाएगी।।कोर्ट ने यह भी कहा यदि शपथपत्र देने के बाद पीड़िता समझौता कर लेती है, बयान से मुकर जाती है या पक्षविरोधी हो जाती है, तो उसके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाएगा। दी गई पूरी राशि की वसूली भी की जाएगी।

### जांच की फाईलें फिर खुलेंगी, स्वास्थ्य विभाग सख्त

# आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि में गड़बड़ी ने तूल पकड़ा

**जबलपुर।** स्वास्थ्य विभाग में आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि के वितरण में सामने आई कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। लंबे समय से लंबित इस प्रकरण में अब प्रशासनिक स्तर पर सख्ती दिखाई गई है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल के हस्तक्षेप के बाद मामले की जांच की जिम्मेदारी जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को सौंप दी गई है। इसके बाद विभाग में लंबे समय से बंद पड़ी फाइलों को दोबारा खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार, आशा कार्यकर्ताओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के वितरण में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद पहले भी जांच कराई गई थी। जांच दल ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर संबंधित अधिकारियों को सौंप दी थी, लेकिन आरोप है कि रिपोर्ट पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई और मामला महीनों तक लंबित रहा।

#### अब होगी नए सिरे से पड़ताल

सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद भी संबंधित अधिकारियों ने उस पर निर्णय लेने के बजाय उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। इससे वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों पर पर्दा डालने की आशंका जताई जाने लगी। मामला स्वास्थ्य मुख्यालय तक पहुंचने के बाद अपर मुख्य सचिव ने इसे गंभीरता से लिया और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

#### दोषियों की जवाबदेही तय करने की तैयारी

जिला प्रशासन अब पूरे मामले की फाइलों, भुगतान संबंधी अभिलेखों और पूर्व जांच रिपोर्ट का परीक्षण करेगा। यदि जांच में वित्तीय अनियमितता या लापरवाही की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

#### आशा कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाने पर जोर

स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी प्रोत्साहन राशि में किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार्य नहीं है। इसी उद्देश्य से पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

### वॉटर प्लांट क्षेत्र में खुदाई से बने गहरे गड्ढे में समाए 3 दोस्त

# तिलवारा के दद्दा घाट की गहराई ने निगल लीं तीन जिंदगियां

हरिभूमि जबलपुर।

तिलवारा थाना क्षेत्र के दद्दा घाट पर शनिवार दोपहर 3 बजे एक हृदयविदारक हादसे में तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। गढ़ा के मुजावर मोहल्ला स्थित सूपाताल क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय राजा खान, 18 वर्षीय साहिल खान और साहिल पुत्र शकील दोपहर करीब तीन बजे नर्मदा में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान वे वॉटर प्लांट क्षेत्र के पास खुदाई से बने गहरे हिस्से में चले गए और पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगने से एक-एक कर डूब गए। सूचना मिलते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घाट के समीप वॉटर प्लांट के कार्य के चलते नदी के भीतर गहरा गड्ढा बन गया है। नहाने के दौरान तीनों किशोर अनजाने में उसी हिस्से तक पहुंच गए, जहां पानी अचानक काफी गहरा था। गहराई अधिक होने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके। देखते ही देखते तीनों पानी में समा गए। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन तब तक हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही तिलवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई, लेकिन उसके पहुंचने से पहले स्थानीय नाविकों और युवकों ने अपने स्तर पर तलाश अभियान शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद तीनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला गया, जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

#### सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

इस दर्दनाक हादसे के बाद वॉटर प्लांट क्षेत्र में चल रही खुदाई और वहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गहरे पानी वाले हिस्से के आसपास न तो पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे और न ही लोगों को वहां जाने से रोकने के इंतजाम थे।

#### मुजावर मोहल्ले में मातम पसरा

हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन और मोहल्ले के लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। तीन युवाओं की एक साथ मौत से पूरे मुजावर मोहल्ला और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है।

### दिन भर बीता उमस में, शाम रही सुहानी

# प्री-मानसूनी बादलों की फुहार से उमस भड़की

**जबलपुर।** मानसून के आगमन में अभी कुछ वक्त और है। मौसम विभाग का कहना है कि एक हफ्ते के अंदर पूरे प्रदेश में मानसून की सक्रियता नजर आ सकती है। अभी तक प्री मानसून की बारिश हो रही है। पिछले तीन माहों से तंदूर की तरह भभकती धरती पर शनिवार की शाम पानी की बूंदे पड़ते ही धरती ने उमस उगलना शुरू कर दिया। बारिश होने से हवा में नमी जरूर बढ़ी लेकिन हवा नहीं चलने से उमस प्रभावी रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता के अगले 24 घंटों के दौरान भी बादल गरज चमक के साथ बरस सकते हैं। सुबह शाम की आर्द्रता में कोई खास अंतर नहीं आया है। इसलिए रात और दिन में भी उमस का प्रभाव एक सा बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया। न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 68 प्रतिशत और सायंकाल 81 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.27 और सूर्यास्त 7.00 बजे हुआ। जबकि 1 जून से अब तक कुल 42.5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। शनिवार शाम हुई वर्षा 0.3 मिमी दर्ज की गई। अगले 24 घंटों के दौरान जिलों में कुछ स्थानो में पानी की बौछारे पड़ने व तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240